रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

गुरुवार
26 नवम्बर -2026
वर्ष 11, अंक 76
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची



पेज-8

मेजबानी मकसद यह जानना कि भारतीयों की इवेंट में रुचि है या नहीं,दिसंबर में सर्वे

भारत में ओलंपिक कराने पर जनता की राय लेगा आईओसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। *भारत की 2036 ओलिंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बीच इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी दिसंबर में देश में सर्वे कराएगी। इसके जरिए यह जानने की कोशिश होगी कि भारत में ओलिंपिक कराने को लेकर आम लोगों की क्या राय है। लोग इस आयोजन को किस नजरिए से देखते हैं और क्या उन्हें लगता है कि ओलिंपिक की मेजबानी से देश में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और खेलों को बढ़ावा मिलेगा। इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया कि यह सर्वे दिसंबर में होगा, लेकिन किस-किस जगह के आईओसी के निर्धारित एजेंसी के लोग सर्वे के लिए जाएंगे, यह गुप्त है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। यह सर्वे भारत की दावेदारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इससे आईओसी को यह समझने में मदद मिलेगी कि देश के लोग ओलिंपिक जैसे बड़े आयोजन की मेजबानी को लेकर कितने उत्साहित हैं और इसे भारत के खेल भविष्य से किस तरह जोड़कर देखते हैं।*



2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए 7 देश दौड़ में

2036 ओलिंपिक की मेजबानी में भारत के अलावा जर्मनी, हंगरी, कतर, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया और तुर्किये ने रुचि दिखाई है। ये सातों देश आईओसी के साथ शुरुआती बातचीत के दौर में हैं। 26 नवंबर को आईओसी की फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने वर्चुअल प्रेजेंटेशन होगा। इसमें भारतीय ओलिंपिक संघ भारत में, खास तौर पर गुजरात के अहमदाबाद में, ओलिंपिक कराने को लेकर अपनी दावेदारी के पक्ष में तर्क रखेगा। इस बैठक में भारतीय खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, गुजरात खेल विभाग और संघ के अधिकारी शामिल होंगे।

- **26 नवंबर को आईओसी के सामने भारत रखेगा दावेदारी के तर्क-** 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए सात देशों में भारत भी शामिल है। 26 नवंबर को आईओसी के सदस्य देशों के साथ वर्चुअल कॉन्फ्रेंस होगी। इसमें भारतीय ओलिंपिक संघ भारत में, खास तौर पर गुजरात में, ओलिंपिक कराने को लेकर अपनी दावेदारी के पक्ष में तर्क रखेगा। इस बैठक में भारतीय खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, गुजरात खेल मंत्रालय और भारतीय ओलिंपिक संघ के अधिकारी शामिल होंगे।

अहमदाबाद में ओलिंपिक कराने की भारत की दावेदारी

भारत ने 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की है। भारत की योजना गुजरात के अहमदाबाद में ओलिंपिक आयोजित कराने की है। इसके लिए अहमदाबाद को मुख्य आयोजन स्थल के रूप में पेश किया जा रहा है। भारत का तर्क है कि देश में बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता और बुनियादी ढांचे को लगातार विकसित किया जा रहा है। ओलिंपिक से पहले गुजरात 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा। इन खेलों का आयोजन अहमदाबाद में होना है। भारत के लिए यह आयोजन बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल इवेंट की मेजबानी के लिहाज से अहम होगा।

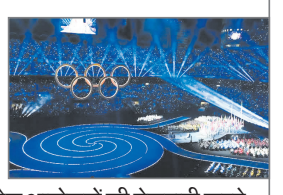

संक्षिप्त समाचार

प्रणब मुखर्जी ने दी थी बीजेपी में जाने की सलाह

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उन्हें टीएमसी छोड़कर प्रधानमंत्री मोदी के साथ आने की सलाह दी थी। उन्होंने मंगलवार को कोलकाता में एक समिट के दौरान यह बात कही। शुभेंदु के मुताबिक, राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे प्रणब मुखर्जी से मिलने राष्ट्रपति भवन गए थे, तब दोनों के बीच यह बातचीत हुई थी। शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि प्रणब मुखर्जी ने उनसे कहा था, सोचिए कि आप क्या करना चाहते



हैं। अगर कर्मचारी बनकर रहना चाहते हैं तो यहीं रहिए। अगर अपने दम पर आगे बढ़ना चाहते हैं तो मोदीजी के साथ रहिए। अधिकारी ने प्रणब मुखर्जी को अपना ओरिजिनल एडवाइजर बताया। उन्होंने कहा कि मुखर्जी उनके अभिभावक की तरह थे। राजनीति से अलग भी हर भारतीय उनका सम्मान करता है। प्रणब मुखर्जी का अगस्त 2020 में निधन हुआ था। **बातचीत की तारीख बताने से इनकार किया-** जब शुभेंदु से पूछा गया कि प्रणब मुखर्जी के साथ यह बातचीत कब हुई थी, तो उन्होंने तारीख बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रणब मुखर्जी अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनके बयान से विवाद हो सकता है, इसलिए वे इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते। शुभेंदु ने प्रणब मुखर्जी की एक और टिप्पणी का जिक्र किया। उनके मुताबिक, मुखर्जी ने पार्टी को बुआ-भतीजे की जोड़ी से चलने वाली पार्टी बताया था। यह टिप्पणी अभिषेक बनर्जी के संदर्भ में थी।

आईपीएस अफसरों की पार्टी में मारपीट

दिसपुर (एजेंसी)। असम के कोकराझार में एक पार्टी के दौरान दो आईपीएस अफसरों के बीच मारपीट हो गई। बताया जा रहा है कि किसी बात पर हुई बहस के बाद कोकराझार के एसएसपी अक्षत गर्ग और डीआईजी वाईटी गेत्सु आपस में भिड़ गए। हाथापाई में एसएसपी गर्ग को कई चोटें आई हैं। पार्टी 7वीं असम पुलिस बटालियन के परिसर में आयोजित की गई थी। ये पार्टी कब हुई थी, इसकी जानकारी नहीं आई है। पार्टी सराईखोला स्थित 7वीं असम पुलिस बटालियन के परिसर में अक्षत गर्ग ने पार्टी दी थी। इसमें



डीआईजी वाईटी गेत्सु भी आए थे। इसी दौरान दोनों अधिकारियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। बहस बढ़ने पर मामला हाथापाई तक पहुंच गया। हालांकि, विवाद की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। असम पुलिस मुख्यालय ने भी अब तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के डीजीपी को विवाद सुलझाने की जिम्मेदारी दी। डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारी सुरेंद्र कुमार को दोनों अफसरों के बीच विवाद सुलझाने के लिए हस्तक्षेप करने को कहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एसएसपी गर्ग को कितनी चोटें आई हैं और मामले में कोई विभागीय कार्रवाई होगी या नहीं।

दुनिया की कोई ताकत भारत की तरक्की देखना नहीं चाहती

मोहन भागवत बोले-वैश्विक शक्तियां दबदबा चाहती हैं

कहा-युवा ही देश को महान बनाएंगे, उन्हें झूठ से नफरत

छत्रपति संभाजी नगर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत की तरक्की नहीं चाहती। दुनिया की बड़ी शक्तियां अपना दबदबा कायम रखना चाहती हैं और दूसरों को दबाकर रखने की सोच में भरोसा करती हैं। भारत इसके विपरीत सभी की मदद करना चाहता है, यहां तक कि उनकी भी जो नफरत करते हैं।



अगर कोई ईमानदारी से बोलता है, तो युवा उसके साथ

तीन दिन के पद्मा फेस्टीवल का आयोजन ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन ने किया है। भागवत ने युवाओं को लेकर कहा कि युवा झूठ से नफरत करते हैं और अपने देश को महान बनाना चाहते हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि युवा पीढ़ी गुलामी के असर से मुक्त है। उन्होंने कहा कि अगर कोई ईमानदारी से बोलता है, तो युवा उसके साथ खड़े होने को तैयार रहते हैं।

विकसित भारत का फायदा युवाओं को होगा

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। वे इस लक्ष्य को पूरा करने में सबसे बड़ा योगदान देंगे और इसके सबसे बड़ा फायदा भी उन्हें ही होगा। यह सपना पूरा करना हर भारतीय की जिम्मेदारी है। इसके लिए पिछली सफलताओं से सीखने और अपनी बौद्धिक क्षमता का इस्तेमाल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। दुनिया में शक्ति संतुलन बदल रहा है और वैश्विक असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। विकसित देश नहीं चाहेंगे कि भारत एक सफल, विकसित और प्रभावशाली देश बने। ऐसे में वे भारत के विकास के रास्ते में बाधाएं पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाहरी खतरों से ज्यादा खतरनाक आंतरिक खतरे होते हैं।

हमें सम्मानजनक सीटें चाहिए, तीन डिजिट से कम मंजूर नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गुरुवार को लखनऊ में प्रस्तावित संविधान बचाओ यात्रा की तैयारी को लेकर लखनऊ में जुटे पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की सीटों के बंटवारे को लेकर फायर हैं। सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद के बाद अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का गुस्से वाला बयान सामने आया है। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की सीटों की संख्या पर बात फाइनल होने से पहले ही सपा की उम्मीदवारों की लिस्ट सामने आने पर राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सीटों की घोषणा कभी भी की जा सकती है, लेकिन समाजवादी पार्टी को मौजूदा परिस्थितियों में इससे बचना चाहिए था। उन्होंने इसे समाजवादी पार्टी का गैर-जिम्मेदाराना रवैया बताते हुए कहा कि सूची क्यों जारी की गई।

भारत-चीन समेत 16 देशों पर टैरिफ बढ़ा सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका इसी हफ्ते भारत, चीन समेत 16 देशों से आने वाले सामान पर इसी हफ्ते टैरिफ बढ़ा सकता है। आरोप है कि ये देश सरकारी मदद से जरूरत से ज्यादा सामान बना रहे हैं और इन्हें सस्ते दामों पर बेच रहे हैं। इससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो रहा है।

अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर इस मामले में 11 मार्च से चल रही जांच के नतीजे जारी कर सकते हैं। यह जांच 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून के तहत हो रही है।



जबरन मजदूरी के मामले में भी टैरिफ की तैयारी

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने जुलाई में विदेशी सप्लाई चेन में जबरन मजदूरी को लेकर भी जांच पूरी की थी। कार्यालय के मुताबिक, इस मामले में कई व्यापारिक साझेदार देशों पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया जा सकता है। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत पर 3-चीनी सैटेलाइट की थी नजर

- **दावा-4 दिन भुज, जामनगर और रिलायंस रिफाइनरी की एक्टिविटी देखी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 3 चीनी सैटेलाइट भारत के पश्चिमी तट पर लगातार नजर रख रहे थे। इन सैटेलाइट्स ने 4 दिन भुज, नलिया, जामनगर और रिलायंस रिफाइनरी की एक्टिविटी देखी। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में भारतीय स्पेस सर्विलांस और इंटेलीजेंस कंपनी डिगंतारा के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट्स ने भारत के नौसैनिक और वायुसेना ठिकानों की निगरानी की। पोर्ट और महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल एरिया की भी निगरानी की गई। ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 को शुरू हुआ था और चार दिन चला था। इसी दिन इन सैटेलाइट्स ने अपनी कक्षा बदली थी।



भुज का एयरफोर्स स्टेशन पाकिस्तान सीमा के पास

रिपोर्ट के मुताबिक, निंग्शिया-14, गाओफेन-11 और याओगान-30 सैटेलाइट्स भारत के पश्चिमी तट के ऊपर सक्रिय रहे। ये इलाके भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान महत्वपूर्ण थे। भुज का रुद्र माता एयरफोर्स स्टेशन कच्छ में पाकिस्तान सीमा के पास स्थित अहम एयरबेस है। नलिया में एयरफोर्स स्टेशन की 49वीं विंग है।

19934 करोड़ के प्रस्ताव को कैबिनेट की हरी झंडी

पांच सेक्टर्स को होगा बड़ा फायदा, प्रस्तावों को मिली मंजूरी



नई दिल्ली (एजेंसी)। इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए टनल बोरिंग मशीन या टीबीएम बेहद जरूरी उपकरण है। अभी इसका आयात करना होता है। आने वाले दिनों में इसका निर्माण भारत में ही होगा। यही नहीं, कंस्ट्रक्शन से जुड़े बड़े इक्विपमेंट भी अब देश में ही बनेंगे। इसके इकोसिस्टम विकसित करने लिए सरकार ने 11,000 करोड़ रुपये की योजना को हरी झंडी दी है। इसके साथ ही चार अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए सरकार ने करीब 20,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव हो हरी झंडी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया।

बंदरगाह के लिए 4,288 करोड़

मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु के कामराजार बंदरगाह में दूसरे कंटेनर टर्मिनल के डेवलपमेंट के लिए कुल 4,288 करोड़ रुपये की परियोजना को हरी झंडी दिखाई है। मंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के बंदरगाहों ने 25.7 मिलियन ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) हैंडलिंग की, जो वित्त वर्ष 2019-20 में 17.2 मिलियन टीईयू ही थी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2025-26 तक सभी बंदरगाहों के कंटेनर ट्रैफिक में 6.9 फीसदी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर की वृद्धि हुई है।

राहुल की संपत्ति की सीबीआई-ईडी से जांच का आदेश रद्द

सुप्रीम कोर्ट बोला-इलाहाबाद हाईकोर्ट राहुल को सुनने के बाद फैसला करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राहुल गांधी की जांच का आदेश रद्द कर दिया। यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई और ईडी को दिया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामला फिर हाईकोर्ट भेज दिया। हाईकोर्ट अब राहुल गांधी को पक्ष बनाएगा और उनका पक्ष सुनने के बाद नया आदेश देगा। मई में हाईकोर्ट ने बीजेपी कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की शिकायत पर सीबीआई और ईडी को आरोपों की जांच के निर्देश दिए थे। शिशिर ने राहुल गांधी और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ जांच की मांग की थी। राहुल गांधी ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि याचिकाकर्ता का इस मामले में कोई अधिकार नहीं है और उसने अपनी पहचान या योग्यता भी नहीं बताई है।



दीपम विवाद तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मांगी माफी, कहा-मंदिर ट्रस्ट ने रोका

कोर्ट के आदेश के बावजूद स्तंभ पर नहीं जला दीप

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने के विवाद को लेकर राज्य सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगी। मदुरै कलेक्टर ने कोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया कि सरकार ने दीपथून यानी पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने की पूरी कोशिश की लेकिन देवस्थानम यानी मंदिर प्रशासन ने उसे रोका।

सरकार के मुताबिक, मंदिर प्रशासन का कहना था कि दीपथून पर दीप जलाना स्थापित परंपराओं और धार्मिक रीति-रिवाजों के खिलाफ है। इसलिए दीप केवल उच्चि पिल्लैयार मंदिर के पास पारंपरिक स्थान पर जलाया गया। 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि कार्तिक पूर्णिमा यानी 24 नवंबर को दीपथून पर दीप जलाया जाएगा।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया और जानबूझकर उसे टालने की कोशिश की।

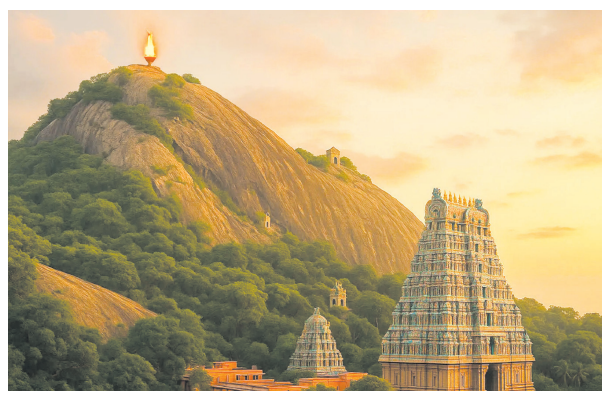

बीजेपी और हिंदू संगठनों के करीब 300 सदस्यों के खिलाफ केस

कार्तिगई दीपम विवाद के बीच मंगलवार को बीजेपी और हिंदू संगठनों ने राज्य भर में प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब 300 सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। रामनाथपुरम में हिंदू फ्रंट के सदस्यों ने सड़क जाम कर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने सड़क जाम करने वालों को हिरासत में लिया।

पहाड़ी पर लगातार दूसरे दिन आम लोगों की एंट्री बंद

विवाद के बाद बुधवार को लगातार दूसरे दिन श्रद्धालुओं और आम लोगों को तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर जाने से रोका गया। पलानी अंडावर मंदिर के प्रवेश द्वार के पास भारी पुलिस बल तैनात रहा। पहाड़ी की ओर जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग की गई। स्थानीय लोगों को भी जांच के बाद ही जाने दिया गया। पहाड़ी पर सुरक्षा व्यवस्था 23 नवंबर की शाम 6 बजे से लागू है। सुप्रीम कोर्ट ने दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति देते हुए आम लोगों, जुलूस और भीड़ को वहां जाने से रोकने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ एक बार दीप जलाने की इजाजत दी थी

तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीपथून यानी पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने को लेकर अरुलमिगु सुब्रमणिया स्वामी मंदिर और सिकंदर बदूशा दरगाह के बीच लंबे समय से विवाद है। मंदिर पहाड़ी के नीचे स्थित है, जबकि दरगाह और दीपथून पहाड़ी पर हैं। हिंदू संगठन दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की मांग करते रहे हैं। वहीं, दरगाह के पास होने के कारण इस मांग का विरोध होता रहा है। पुराने अदालती रिकॉर्ड के मुताबिक, 1862 और 1912 में भी दीपथून पर दीप जलाने की कोशिश हुई थी। दोनों बार अधिकारियों ने इसकी अनुमति नहीं दी। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को इस साल 24 नवंबर को दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की एक बार की अनुमति दी थी। कोर्ट ने कहा था कि मंदिर प्रशासन की टीम अधिकारियों की निगरानी में दीप जलाएगी। आम लोगों को वहां जाने की अनुमति नहीं होगी। कोर्ट ने यह भी साफ किया था कि यह अनुमति केवल इस साल के लिए है। इससे भविष्य में दीप जलाने का कोई परंपरागत या कानूनी अधिकार स्थापित नहीं होगा।

अफीम की अवैध खेती के रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन की पहल, जन जागरूकता हेतु जागरूकता वाहन को दिखाई गई हरी झंडी

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /



रांची।रांची जिले में अफीम की अवैध खेती पर प्रभावी रोकथाम लगाने एवं आमजनों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से जन जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन ने मोरहाबादी मैदान से संयुक्त रूप से आठ जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों एवं ग्रामीण इलाकों में भ्रमण कर लोगों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय नुकसान तथा इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देगा। अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए अफीम की खेती एवं इसके अवैध कारोबार से दूर रहने की अपील की जाएगी। अफीम की खेती करना एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें 20 वर्ष तक की सजा अथवा आजीवन कारावास एवं जुर्माने तक का प्रावधान हो सकता है। लोगों से अपील की जाएगी कि अधिक मुनाफा कमाने के लालच में अफीम की खेती न करें और न ही किसी अन्य व्यक्ति को अपनी जमीन लीज या पट्टे पर इस उद्देश्य से दें। साथ ही, अफीम की खेती से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना पुलिस प्रशासन को देने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्तियों का नाम, पता एवं पहचान पूर्णतः गोपनीय रखे जाने की बात भी बताई जाएगी। अवैध खेती एवं कारोबार में संलिप्त लोगों पर रहेगी कड़ी निगरानी अभियान के तहत लोगों को यह भी जानकारी दी जाएगी कि अफीम की खेती एवं कारोबार से जुड़े व्यक्तियों तथा इस मामले में पुलिस द्वारा आरोप पत्रित किए गए लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अफीम की खेती में प्रयुक्त उपकरणों को जब्त किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अफीम की खेती से अर्जित धन एवं परिसंपत्तियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। अफीम की खेती, परिवहन एवं इसके दुरुपयोग की गतिविधियों में संलिप्त क्रेता-विक्रेताओं के विरुद्ध भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।अफीम की खेती से जमीन की उर्वरता एवं जल स्रोतों पर पड़ता है प्रतिकूल प्रभावजन जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को अफीम की खेती के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया जाएगा। बताया जाएगा कि इससे भूमि की उर्वरता एवं उपजाऊ क्षमता प्रभावित होती है तथा तालाब, नदी एवं कुआं जैसे जल स्रोतों के दूषित होने का खतरा रहता है। इसके अलावा अफीम एवं इससे बने उत्पादों का सेवन मानव जीवन एवं स्वास्थ्य पर गंभीर रूप से प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

झारखंड स्थापना दिवस 2026 के उपलक्ष्य में विभिन्न विकास एवं प्रशासनिक योजनाओं का उद्घाटन

अपर समाहर्ता के नवनिर्मित कार्यालय कक्ष तथा आपूर्ति विभाग के कंट्रोल एंड कमांड सेंटर (CCC) हुआ उद्घाटन

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /



धनबाद।झारखंड स्थापना दिवस 2026 के पावन अवसर पर आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजनएवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार द्वारा समाहरणालय परिसर में प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण और जनसुविधाओं के विस्तार हेतु दो महत्वपूर्ण उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त ने समाहरणालय के प्रथम तल स्थित जिला आपूर्ति कार्यालय से संबद्ध कंट्रोल एंड कमांड सेंटर (Control & Command Centre - CCC) का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस केंद्र की स्थापना से जिले में जनवितरण प्रणाली (PDS) और आपूर्ति से संबंधित कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, पारदर्शिता तथा शिकायतों के त्वरित निष्पादन में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही, उपायुक्त ने समाहरणालय भवन में अपर समाहर्ता (Additional Collector) के नवनिर्मित कार्यालय कक्ष का भी उद्घाटन किया। नए और सुसज्जित कार्यालय कक्ष के शुरू होने से प्रशासनिक कार्यों के संचालन में सुगमता आएगी और आम जनता को बेहतर कार्य वातावरण मिल सकेगा।उद्घाटन के पश्चात उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि इन नई व्यवस्थाओं का लाभ सीधे तौर पर जिले के आम नागरिकों तक पहुँचे और कार्यप्रणाली में अधिक से अधिक पारदर्शिता एवं गतिशीलता लाई जाए। इस मौके पर जिले के अन्य वरीय प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन परिसर में चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन

▶▶आईजी, उपायुक्त, एसएसपी समेत अन्य पदाधिकारी ने किया अवलोकन

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची/



धनबाद।झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन परिसर, धनबाद में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित ÒCanvas of DhanbadÑ A Flash Art CampaignÓ के अंतर्गत चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में जिले के 50 से अधिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों द्वारा तैयार की गई आकर्षक एवं रचनात्मक चित्रकलाओं को प्रदर्शित किया गया।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवा कलाकारों की रचनात्मक सोच, कलात्मक अभिव्यक्ति और प्रतिभा को एक बेहतर मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर उपायुक्त, धनबाद ने कहा कि नई पीढ़ी में असीम रचनात्मक क्षमता है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित अवसर एवं मंच उपलब्ध कराया जाए। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल को निखारने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। Life Around MinesÓ की थीम पर आयोजित इस अभियान के माध्यम से धनबाद की खनन संस्कृति, जनजीवन, विरासत एवं स्थानीय परिवेश को चित्रों के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की गई।उल्लेखनीय है कि ÒCanvas of DhanbadÑ A Flash Art CampaignÓ कार्यक्रम कुल चार चरणों में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के चार चरण निम्नवत हैं:

1. **प्रथम चरण** - ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया।
2. **द्वितीय चरण** - खदानों का भ्रमण (E&posure Visit)Ð
3. **तृतीय चरण** – चित्रकला प्रदर्शनी।
4. **चतुर्थ चरण** - विजेताओं की घोषणा एवं प्रतिभागियों का सम्मान समारोह।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिली भारतीय लॉन बॉल्स विजेता टीम, न्यूजीलैंड पर 2-1 की जीत पर दी बधाई

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में भारतीय लॉन बॉल्स विजेता टीम के खिलाड़ियों और कोच ने शिष्टाचार मुलाकात की।मुख्यमंत्री ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच 16 से 18 नवंबर तक आयोजित तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारतीय टीम द्वारा 2-1 से शानदार जीत दर्ज करने पर सभी खिलाड़ियों और कोच को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



मुख्यमंत्री ने कहा –यह पूरे झारखंड के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि राज्य के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए देश को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। झारखंड के खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धि से राज्य का मान-सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश और झारखंड का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। मुलाकात में झारखंड की लॉन बॉल खिलाड़ी रेशमा कुमारी, सुनील बहादुर, दिनेश कुमार एवं कोच मधुकांत पाठक उपस्थित थे।

राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने रांची में पूर्व में कराए गए विकास कार्यों का किया निरीक्षण

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /





रांची। राज्यसभा सांसद परिमल नथवानी ने अपने पूर्व के दो कार्यकाल के दौरान झारखंड में अपने प्रयासों से कराए गए विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के लिए रांची के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रातू रोड स्थित निगम अस्पताल, करमटोली स्थित आदिवासी छात्रावास तथा बड़ाम स्थित आदर्श ग्राम का निरीक्षण किया। दौरे की शुरुआत में राज्य सभा के सांसद परिमल नथवानी ने रातू रोड स्थित निगम अस्पताल का निरीक्षण किया। इस अस्पताल भवन का निर्माण उनके प्रयासों से कराया गया था। उन्होंने अस्पताल के संचालकों से मुलाकात कर इसके संचालन, रखरखाव, चिकित्सा सुविधाओं तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से यह जाना कि गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को यहां किस प्रकार की उपचार सुविधाएं मिल रही हैं। अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद उन्होंने अपनी टीम को कमियों को दूर कर अस्पताल को शीघ्र सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने करमटोली स्थित आदिवासी छात्रावास परिसर में निर्मित पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किया। वहां विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा पुस्तकालय और छात्रावास की व्यवस्था में सुधार के लिए अपनी टीम को आवश्यक निर्देश दिए। सांसद परमिल नथवानी इसके बाद बड़ाम स्थित आदर्श ग्राम पहुंचे, जिसे उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान गोद लिया था। लगभग छह वर्षों के अंतराल के बाद अपने सांसद को गांव में देखकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह और भावुकता का माहौल था। महिलाओं, बच्चों एवं अन्य ग्रामीणों ने पारंपरिक झारखंडी रीति-रिवाजों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान सांसद ने गांव में अपने प्रयासों से कराए गए विकास कार्यों एवं निर्मित भवनों का निरीक्षण किया। उन्होंने आवासीय विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। साथ ही स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं लीगल एड क्लिनिक का भी जायजा लिया। स्वास्थ्य उपकेंद्र में कार्यरत नर्सों से बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। लीगल एड क्लिनिक में कानूनी सहायता से संबंधित व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी के लिए सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें: के. रवि कुमार

जीरो पेंडेंसी के लक्ष्य के साथ कार्य करने का दिया निर्देश

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /



रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का कार्य अपने अंतिम चरण में है। ऐसे में सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करते हुए मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी पूरी करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी जीरो पेंडेंसी के लक्ष्य के साथ कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर मामले लंबित नहीं रहने दें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी निर्वाचन सदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। समीक्षा के दौरान उन्होंने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन मामलों का निष्पादन अभी तक नहीं हो पाया है, उनका व्यक्तिगत नियमानुसार गहन निरीक्षण किया जाए। आवश्यक दस्तावेजों की प्राप्ति एवं तथ्यों का सत्यापन करते हुए संबंधित मतदाताओं को सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाए तथा प्रत्येक मामले में नियमानुसार अंतिम निर्णय लिया जाए। पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में मतदाताओं के सुनवाई एवं सत्यापन के अतिरिक्त अन्य कार्य मतदान केंद्रों का नजरी नक़्शा, मतदान केंद्र की फोटो, जियो टैगिंग आदि कार्य का भी अपडेशन का कार्य पूरा करें। इसके साथ-साथ ड्राफ्ट रोल के उपरांत प्रत्येक दिन प्राप्त हो रहे आवेदनों का उसी दिन श्वष्टढ्ढह्श्वञ्ज पर अपडेशन सुनिश्चित करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिन मतदान केंद्र क्षेत्रों में अभी भी नए मतदाता के नामांकन हेतु कम आवेदन प्राप्त हो रहें हैं वहां सुपरचेकिंग के दौरान पदाधिकारी होम टू रोल वेरीफिकेशन का कार्य की गहन समीक्षा करें एवं भौतिक समीक्षा के क्रम में पदाधिकारी कमसे कम लगातार 5 घरों में अवश्य जाएं एवं वहां के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिकों का मतदाता सूची में शामिल हुआ है अथवा नहीं इसकी जांच करें। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य प्रशिक्षण नोडल पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

बिरला ग्लोबल विवि में अकादमिक लीडर शिप पर प्रो गोपाल पाठक का व्याख्यान

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/

रांची।बिरला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में एकेडमिक लीडरशिप विषय पर व्याख्यान देते हुए सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने आज के दौर में इसकी भूमिका, चुनौतियां एवं खूबियों पर विस्तार से चर्चा की। भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एकेडमिक लीडरशिप की आवश्यकता तथा कम्युनिकेशन में इसकी भूमिका पर भी उन्होंने अपना विचार प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों के लिए नेतृत्वकर्ता को रोल मॉडल के तौर पर प्रस्तुत करने एवं उनके लिए स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। भुवनेश्वर प्रवास के दौरान प्रो गोपाल पाठक ने सेंचुरियन यूनिवर्सिटी का भी दौरा किया। इस क्रम में उन्होंने खासकर विवि के स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की। दोनों विश्वविद्यालय में हुए करार के तहत अब एसबीयू के विद्यार्थी इंटर्नशिप के लिए सेंचुरियन विश्वविद्यालय जा सकेंगे। भुवनेश्वर में कीट विश्वविद्यालय के वीसी प्रो सरनजीत सिंह और प्रो गोपाल पाठक के बीच दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू पर भी सहमति बनी। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ एसबीयू के करार पर हर्ष व्यक्त किया है।



लुगू बुरू से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का बड़ा संदेश.....

संगठित होकर शिक्षा से ही बदलेगा आदिवासी समाज का भविष्य, बनेगा देश का बड़ा पर्यटन केंद्र

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /

*ललपनिया (बोकारो), बोकारो के ललपनिया में सोमवार को आस्था, संस्कृति और आदिवासी अस्मिता का महासंगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 'लुगू बुरू घांटाबाड़ी धोरोमगाढ़ राजकीय महोत्सव और अंतरराष्ट्रीय संताल सरना धर्म महासम्मेलन' के समापन समारोह में शामिल हुए। हेलीपैड पर पहुंचते ही प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने कहा – खनिज हमारा, फिर भी समाज पिछड़ा क्यों? **जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा** –> 'झारखंड के खनिज से देश चलता है, लेकिन आदिवासी समाज आज भी पिछड़ा है। हमारी जमीन खोदी जा रही है, फिर भी हम



शैक्षणिक, बौद्धिक और आर्थिक रूप से कमजोर हैं। अब समय है संगठित होने का। ' उन्होंने कहा कि झारखंड के खनिजों पर हम सभी की हिस्सेदारी होनी चाहिए। समाज के उत्थान के लिए युवाओं को शिक्षित होना होगा, क्योंकि शिक्षा से ही समाज में शक्ति,



उन्नति, मजबूती और सकारात्मक बदलाव आएगा।

लुगू बुरू बनेगा देश का महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल–मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि लुगू बुरू घांटाबाड़ी धोरोमगाढ़ को देश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।यहां आदिवासी समाज की पहचान के लिए भव्य संग्रहालय का निर्माण हो रहा है, जहां युवा अपनी पारंपरिक और पौराणिक विरासत को जान-समझ सकेंगे। हर वर्ष इस स्थल को और विकसित किया जा रहा है।

सरना धर्म कोड और SIR पर भी बोले मुख्यमंत्री–मुख्यमंत्री ने कहा कि सरना धर्म कोड के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। साथ ही उन्होंने लोगों से स्ढुक्रप्रक्रिया और आगामी जनगणना पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

माता-पिता की स्मृति में खिचड़ी प्रसाद– महोत्सव में मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन और माता रूपी सोरेन की पावन स्मृति में तीन दिवसीय खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया जा रहा है।

कौन-कौन रहा मौजूद

समारोह में मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मंत्री चमरा लिंडा, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, विधायक उमाकांत रजक, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री फागू बेसरा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे ।झारखंड के साथ ही ओडिशा, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात और नेपाल से भी बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पहुंचे थे ।

संक्षिप्त समाचार

पुल के पिलर से लटका मिला बुजुर्ग का शव



धनबाद,एजेंसी। धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खुदिया नदी पुल के पास बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव पुल के पिलर में रस्सी के सहारे लटका हुआ था।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर गोविंदपुर थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह कुछ लोग शौच के लिए नदी की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर खुदिया नदी पुल के पिलर में रस्सी के सहारे लटके एक व्यक्ति के शव पर पड़ी।लोगों ने इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद रस्सी की मदद से शव को नीचे उतारा। शव उतारने के बाद उसकी तलाशी ली गई। इस दौरान मृतक के कपड़ों की जेब से एक आधार कार्ड मिला है। आधार कार्ड पर नरेश कुमार विश्वकर्मा, निवासी आनंद नगर, सरायढेला, धनबाद का नाम दर्ज है। हालांकि, आधार कार्ड में दर्ज नाम के आधार पर मृतक की पहचान की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मृतक की पहचान सुनिश्चित करने में जुटी है।गोविंदपुर थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद रावत ने बताया कि खुदिया नदी पुल के पास शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का।पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चलेगा।

नारायणपुर और मिहिजाम से पकड़े गए आरोपी; 16 मोबाइल, 17 सिम कार्ड और लैपटॉप जब्त



जामताड़ा,एजेंसी। जामताड़ा में पुलिस ने साइबर ठगी के दो मामलों में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में पांच नारायणपुर थाना क्षेत्र और पांच मिहिजाम थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।पुलिस ने उनके पास से 16 मोबाइल फोन, 17 सिम कार्ड और एक लैपटॉप जब्त किया है। बुधवार को एसपी शंभू कुमार सिंह ने कार्रवाई की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक साइबर अपराध अमित रवीदास के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई थी।मंगलवार को टीम ने नारायणपुर थाना क्षेत्र के मुरलीपहाड़ी में पानी की टंकी के पास छापा मारकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया। टेलीकम्युनिकेशन से मिली सूचना के आधार पर मिहिजाम क्षेत्र में छापा मारकर पांच अन्य लोगों को पकड़ा गया। दोनों मामले साइबर थाना कांड संख्या 77/26 और 76/26 के तहत दर्ज हैं।कांड संख्या 77/26 में साजिद अंसारी (23), सागिर अंसारी (24), दिलबर अंसारी (21), कलीम अंसारी (42) और इमरान अंसारी (25) गिरफ्तार हुए हैं। ये सभी नारायणपुर थाना क्षेत्र के बंदरचुआं गांव के रहने वाले हैं।कांड संख्या 76/26 में संजय मंडल, राजू मंडल, टुनटुन मंडल, धीरज कुमार साव और रवीसन मुर्मू गिरफ्तार हुए हैं। संजय मंडल, राजू मंडल और टुनटुन मंडल मिहिजाम थाना क्षेत्र के लीलानगर कानगोई के रहने वाले हैं।धीरज कुमार साव मिहिजाम के हिल रोड और रवीसन मुर्मू जामताड़ा थाना क्षेत्र के बीरग्राम का रहने वाला है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गूगल पर विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों, ई-पेमेंट कंपनियों और उपभोक्ता सामग्री कंपनियों के कस्टमर केयर नंबर के रूप में अपना फर्जी मोबाइल नंबर डाल देते थे।इसके बाद उपभोक्ताओं के कॉल करने पर उन्हें एपीके फाइल भेजकर डाउनलोड करवाते थे। इसके माध्यम से बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल कर साइबर ठगी की जाती थी। इसके अलावा आरोपी अपने नाम से चार-पांच से अधिक सिम कार्ड प्राप्त कर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। इनका नेटवर्क देश के विभिन्न राज्यों तक फैला हुआ था। एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि साइबर अपराधियों को अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले लोगों को भी पुलिस ने चिन्हित किया है। ऐसे लोग साइबर अपराधियों को सिम कार्ड उपलब्ध कराने और अन्य माध्यमों से सहयोग करने का काम करते हैं।पुलिस ने इनके नाम भी चिन्हित कर लिए हैं। ऐसे लोगों की गिरफ्तारी भी जल्द सुनिश्चित की जाएगी। एसपी ने चेतावनी देते हुए कहा कि आने वाले समय में साइबर अपराधियों और उन्हें सहयोग करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने बताया कि जनवरी 2026 से 25 नवंबर 2026 तक जिले में साइबर अपराध के खिलाफ अभियान चलाकर कुल 170 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान पुलिस ने 410 मोबाइल फोन, 496 सिम कार्ड, 37 एटीएम कार्ड, सात पासबुक, चार लैपटॉप, 24 लाख 33 हजार 700 रुपये नकद और 13 मोटरसाइकिल जब्त की हैं।

झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन परिसर में चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन

▶▶ आईजी, उपायुक्त, एसएसपी समेत अन्य पदाधिकारी ने किया अवलोकन ▶▶ नई पीढ़ी की रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना जिला प्रशासन का उद्देश्य - उपायुक्त, धनबाद

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/





धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन परिसर, धनबाद में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित Canvas of DhanbadÑ A Flash Art CampaignÓ के अंतर्गत चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में जिले के 50 से अधिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों द्वारा तैयार की गई आकर्षक एवं रचनात्मक चित्रकलाओं को प्रदर्शित किया गया।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवा कलाकारों की रचनात्मक सोच, कलात्मक अभिव्यक्ति और प्रतिभा को एक बेहतर मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर उपायुक्त, धनबाद ने कहा कि नई पीढ़ी में असीम रचनात्मक क्षमता है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित अवसर एवं मंच उपलब्ध कराया जाए। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल को निखारने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

Life Around MinesÓ की थीम पर आयोजित इस अभियान के माध्यम से धनबाद की खनन संस्कृति, जनजीवन, विरासत एवं स्थानीय परिवेश को चित्रों के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की गई।उल्लेखनीय है कि Canvas of DhanbadÑ A Flash Art Campaign कार्यक्रम कुल चार चरणों में आयोजित किया जा रहा है। इसके तीन चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं। कार्यक्रम का अंतिम चरण विजेताओं की घोषणा एवं प्रतिभागियों के सम्मान के साथ संपन्न होगा।

कार्यक्रम के चार चरण निम्नवत हैं: 1. प्रथम चरण - ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया।**2. द्वितीय चरण** - खदानों का भ्रमण (E&posure Visit)।**3. तृतीय चरण** - चित्रकला प्रदर्शनी।**4. चतुर्थ चरण** – विजेताओं की घोषणा एवं प्रतिभागियों का सम्मान समारोह।चतुर्थ चरण के अंतर्गत चयनित उत्कृष्ट चित्रकलाओं के कलाकारों के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

हजारीबाग में शादी समारोह में फायरिंग, युवक की मौत

हजारीबाग,एजेंसी। हजारीबाग के उपकार होटल में मंगलवार रात शादी समारोह के दौरान गोलीबारी में अर्णव सिंह की मौत हो गई और अंकित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। अंकित को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है। मृतक की पहचान हुरहुरू स्थित बाबा पथ निवासी अर्णव सिंह उर्फ बिट्टू के रूप में हुई है। शादी समारोह के साथ होटल में संगीत कार्यक्रम भी था। बारात चतरा जिले के सिमरिया से आई थी।जानकारी के मुताबिक, द्वारपूजा की रस्म के दौरान बाराती और सराती पक्ष के बीच किसी बात पर विवाद हुआ। विवाद मारपीट तक पहुंचा और फिर गोलियां चलने लगीं। गोली लगने से अर्णव और अंकित घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां अर्णव की मौत हो गई।गोली चलाने का आरोप बारातियों पर लगाया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक के भाई विक्रम ने बताया कि उनके घर के पास शादी समारोह था और परिवार को निमंत्रण मिला था। इसलिए अर्णव होटल गया था। विक्रम के मुताबिक, वहां विवाद के दौरान उनके भाई को गोली मार दी गई। उन्होंने आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की।समाजसेवी राजकुमार सोनी ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।इधर, कोर्रा थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच की जा रही है।

मंडल कारा में अधिष्ठापित ओपन जिम, बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट एवं बच्चों के लिए क्रेच का उद्घाटन





दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। झारखण्ड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत मंडल कारा, धनबाद में संसीमित पुरुष बंदियों, महिला बंदियों, महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों तथा कारा कर्मियों के सर्वांगीण विकास हेतु उपायुक्त, धनबाद के सौजन्य से मंडल कारा के आंतरिक एवं बाह्य परिसर में अधिष्ठापित ओपन जिम, बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट एवं बच्चों के लिए क्रेच का उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक (बोकारो रेंज), उपायुक्त (धनबाद), वरीय पुलिस अधीक्षक (धनबाद), उप विकास आयुक्त (धनबाद), पुलिस अधीक्षक (नगर, धनबाद), पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण, धनबाद), अनुमंडल पदाधिकारी (धनबाद), अपर समाहर्ता-सह-अधीक्षक (मंडल कारा, धनबाद), कारापाल एवं कारा चिकित्सक की गरिमामयी उपस्थिति में बंदियों के बीच बैडमिंटन, वॉलीबॉल, म्यूजिक बैंड, लूडो, कैरम बोर्ड, ज्ञानवर्धक पुस्तकें तथा महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के लिए खिलौने वितरित किए गए।इस कार्यक्रम के आयोजन से बंदियों एवं कारा कर्मियों में काफी हर्षोल्लास देखा गया। इसी क्रम में संपूर्ण कारा परिसर का निरीक्षण भी किया गया एवं बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किये।

खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण राज्यपाल का धनबाद दौरा रद्द, रांची एयरपोर्ट से नहीं भरी उड़ान

रांची: झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का प्रस्तावित धनबाद दौरा रद्द हो गया. इसके कारण रांची एयरपोर्ट से धनबाद के लिए विमान ने उड़ान नहीं भरी. राज्यपाल सचिवालय की ओर से जारी आधिकारिक पत्र में दौरा रद्द होने की वजह खराब मौसम और कम दृश्यता बताई गई है. पत्र 24 नवंबर 2026 को जारी किया गया है. इसमें स्पष्ट किया गया है कि प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण राज्यपाल का धनबाद जाने का हवाई कार्यक्रम रद्द किया जाता है.

दरअसल, मंगलवार को राज्यपाल के धनबाद जाने का कार्यक्रम निर्धारित था. इसे लेकर रांची एयरपोर्ट पर आवश्यक तैयारियां भी की गई थीं. हालांकि, बाद में राज्यपाल के धनबाद नहीं जाने की सूचना मिलने के बाद विमान ने उड़ान नहीं भरी.



एयरपोर्ट डायरेक्टर ने पहले दी थी जानकारी : इस संबंध में रांची एयरपोर्ट के डायरेक्टर विनोद कुमार ने पहले बताया था कि लोक भवन की ओर से उन्हें जानकारी दी गई है कि राज्यपाल धनबाद नहीं जाएंगे. इसी सूचना के बाद धनबाद के लिए विमान की उड़ान नहीं हुई. उस समय विमान के उड़ान नहीं भरने को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई थी कि राज्यपाल का कार्यक्रम रद्द हो गया है.

राज्यपाल सचिवालय के पत्र में मौसम का हवाला : इधर, राज्यपाल सचिवालय की ओर से जारी पत्र में दौरा रद्द होने का आधिकारिक कारण खराब मौसम और कम दृश्यता बताया गया है. राज्यपाल के एडीसी स्क्वाड्रन लीडर संजय सिंह झाझरिया की ओर से जारी पत्र झारखंड के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भेजा गया है. इसमें 24 नवंबर को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के धनबाद दौरे का कार्यक्रम रद्द किए जाने की जानकारी दी गई है. पत्र में 21 नवंबर और 23 नवंबर को जारी पूर्व के पत्रों का भी उल्लेख किया गया है। इसकी प्रतिलिपि संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को भी भेजी गई है.

इस तरह राज्यपाल के धनबाद दौरे को लेकर पहले एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी और बाद में राज्यपाल सचिवालय की ओर से जारी आधिकारिक पत्र में दौरा रद्द होने की वजह साफ हुई. सचिवालय के पत्र के अनुसार, खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण राज्यपाल का धनबाद दौरा रद्द किया गया, जिसके चलते रांची एयरपोर्ट से विमान ने उड़ान नहीं भरी.

एयरपोर्ट डायरेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि धनबाद में दृश्यता (विजिबिलिटी) कम होने के कारण विमान वहां लैंडिंग और उड़ान संचालन के लिए अनुकूल स्थिति में नहीं था. इसी वजह से रांची से धनबाद के लिए विमान उड़ान नहीं भर सका.

झारखंड में 3 दिनों में 5 डिग्री तक गिरेगा पारा

अब सताएगी ठंड, सुबह रहेगा हल्का कोहरा, दिन में खिलेगी धूप

रांची,एजेंसी। चक्रवाती तूफान अकवान का असर समाप्त होने और आसमान साफ होने के बाद झारखंड में ठंड का प्रभाव तेजी से बढ़ने वाला है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आज से राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहेगा। सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहेगा, जबकि दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ हो जाएगा और धूप खिलेगी।

हालांकि, धूप निकलने के बावजूद सुबह और रात के समय ठंड का एहसास बढ़ेगा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। वहीं, राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचने के आसार हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में रात के समय कंपकंपाने वाली ठंड महसूस हो सकती है।

आसमान साफ होते ही तेजी से गिरेगा रात का पारा : पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के कई जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी रांची के न्यूनतम तापमान में 3.3 डिग्री सेल्सियस की कमी आयी है। वहीं, मेदिनीनगर में 2.8 डिग्री और बोकारो में सबसे अधिक चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।



मंगलवार को रांची का अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम में बदलाव के कारण दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ने लगा है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आसमान साफ रहने से रात में धरती की गर्मी तेजी से बाहर निकलती है। इसका असर न्यूनतम तापमान पर पड़ता है। यही वजह है कि आने वाले दिनों में रात की ठंड और बढ़ने की संभावना है।

सुबह कोहरा, दिन में निकलेगी खिली धूप : मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बुधवार को रांची में मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। राजधानी का अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह कोहरा देखने को मिलेगा। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ कोहरा छंट जाएगा और धूप निकलेगी।

जमशेदपुर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मेदिनीनगर में अधिकतम तापमान 27.4 और न्यूनतम 18.3 डिग्री रहा।

जबकि कोडरमा का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, नवंबर के शेष दिनों में राज्य का मौसम सामान्यतः शुष्क रहेगा। फिलहाल बारिश की संभावना बेहद कम है।

बुजुर्गों और बच्चों को सावधानी बरतने की सलाह : मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, बुधवार से आसमान पूरी तरह साफ रहने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इससे रांची का रात का पारा 11 डिग्री से नीचे पहुंच सकता है। उन्होंने बुजुर्गों, बच्चों, हृदय और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।सुबह और रात में ठंडी हवाओं से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने की जरूरत है।

गुमला में दो महिलाओं की हत्या का खुलासा

दो सगे भाइयों ने पत्नियों की हत्या की, जंगल में शव दफनाए, बेटे को लेकर थाने पहुंचे

गुमला,एजेंसी। गुमला में दो महिलाओं की हत्या कर उनके शव सिमडेगा के वीरू जंगल में दफनाने का मामला सामने आया है। हत्या का आरोप दोनों महिलाओं के पतियों पर है। दोनों आरोपी सगे भाई हैं। मृतकों की पहचान विंध्याचल नगर नदी टोली निवासी मिनी प्रिया (28) और राधिका कुमारी (20) के रूप में हुई है।

मिनी प्रिया के पति शिव शंकर साहू और राधिका के पति नवीन साहू हैं। पुलिस ने बुधवार को वीरू जंगल से दोनों महिलाओं के शव बरामद किए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल एंबुलेंस जब्त कर ली है। दोनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

जानकारी के अनुसार, दोनों दंपतियों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। शनिवार को कुछ लोगों की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया था। इसके बाद शिव शंकर और नवीन अपनी-अपनी पत्नियों को लेकर समसेरा स्थित घर चले गए थे।

सोमवार सुबह करीब नौ बजे परिजनों की दोनों महिलाओं से आखिरी बार फोन पर बातचीत हुई थी। इसके बाद उनका संपर्क टूट गया। परिजनों को दोनों महिलाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही थी।

आरोप है कि घर में दोबारा विवाद होने के बाद दोनों भाइयों ने अपनी पत्नियों की हत्या कर दी। इसके बाद शवों को ठिकाने लगाने के लिए एंबुलेंस का इस्तेमाल किया। एंबुलेंस चालक शिव शंकर ने दोनों शवों को एंबुलेंस से सिमडेगा के वीरू जंगल पहुंचाया। वहां दोनों को दफना दिया गया।

मंगलवार को दोनों आरोपी अपने सात वर्षीय बेटे के साथ गुमला थाना पहुंचे। उन्होंने पुलिस को दोनों महिलाओं के लापता होने की जानकारी दी।

झारखंड में 'वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना' के बदले नियम, अब ऑनलाइन होगा आवेदन

रांची। झारखंड में अब अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा या तकनीकी पढ़ाई के लिए आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा. राज्य सरकार ने 'वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना' में बड़े बदलाव किए हैं, जिससे इन विद्यार्थियों के सपने पूरे हो सकें. इस योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए हर साल अधिकतम 10 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी. इसके अलावा पढ़ाई, दैनिक जरूरतों और अध्ययन सामग्री के खर्च के लिए हर महीने 4 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी मिलेगी. खास बात यह है कि अब योजना की आवेदन, सत्यापन, स्वीकृति, शिकायत और निगरानी से जुड़ी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी. इससे आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और विद्यार्थियों को योजना का लाभ लेने में सहूलियत होगी.

क्या है वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना : वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना झारखंड सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है. इसका उद्देश्य अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक मदद देना है. कई बार आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी आगे की पढ़ाई जारी नहीं रख पाते. खासकर अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों के सामने शिक्षा, रहने, दैनिक जरूरतों और अध्ययन सामग्री की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण होता है. इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा का आर्थिक बोझ कम करना चाहती है. इसके तहत पढ़ाई के लिए बड़ी राशि की छात्रवृत्ति के साथ-साथ हर महीने अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी.

योजना के तहत विद्यार्थियों को क्या-क्या मिलेगा लाभ: वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना के तहत विद्यार्थियों को दो तरह की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है. पहला, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के खर्च के लिए प्रतिवर्ष अधिकतम 10 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति और दूसरा, दैनिक जरूरतों तथा अध्ययन सामग्री के लिए हर महीने 4 हजार रुपये



की वित्तीय सहायता. इस तरह पात्र विद्यार्थियों को कॉलेज, उच्च शिक्षण संस्थान और तकनीकी शिक्षा से जुड़ी पढ़ाई जारी रखने में आर्थिक मदद मिलेगी. छात्रवृत्ति की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी जाएगी. इससे राशि के भुगतान में पारदर्शिता बनी रहेगी.

किन विद्यार्थियों को मिलेगा वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना का लाभ : इस योजना का लाभ मुख्य रूप से अनाथ और दिव्यांग विद्यार्थियों को देने का प्रावधान है, जो उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. यानी ऐसे विद्यार्थी जो अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, उन्हें इस योजना से सहायता मिल सकती है. हालांकि, योजना का लाभ लेने के लिए संबंधित पात्रता शर्तों और जरूरी दस्तावेजों को पूरा करना होगा. अनाथ होने और दिव्यांगता से संबंधित प्रमाणपत्रों का सत्यापन निर्धारित अधिकारियों के माध्यम से किया जाएगा. आवेदन करने से पहले विद्यार्थियों को विभाग की ओर से जारी आधिकारिक दिशा-निर्देशों की जानकारी जरूर लेनी चाहिए.

अब ऑनलाइन होगा आवेदन से लेकर सत्यापन तक का पूरा काम : वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना में सरकार ने सबसे बड़ा बदलाव इसकी आवेदन और सत्यापन प्रक्रिया को लेकर किया है. अब आवेदन से लेकर दस्तावेजों के सत्यापन और स्वीकृति तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी. इसके साथ ही शिकायतों के निपटारे और योजना की निगरानी की व्यवस्था भी डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी. इस ऑनलाइन व्यवस्था को विकसित करने की जिम्मेदारी झारखंड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (जेसेक) को सौंपी गई है. उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से इस संबंध में संकल्प जारी कर पूरी प्रक्रिया निर्धारित कर दी गई है.

कैसे होगा आवेदन और किन अधिकारियों की होगी जिम्मेदारी: नई व्यवस्था के तहत योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी को सबसे पहले अपने शिक्षण संस्थान में आवेदन करना होगा. संबंधित शिक्षण संस्थान विद्यार्थी की ओर से जमा किए गए दस्तावेजों, बैंक खाते और अन्य जरूरी जानकारियों की जांच करेगा. इसके बाद निर्धारित प्रपत्र के साथ आवेदन को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा. इसके बाद अनाथ होने की पुष्टि बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) करेंगे. वहीं, दिव्यांग होने की पुष्टि सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा के स्तर से की जाएगी. दोनों स्तरों पर सत्यापन पूरा होने के बाद जिला समाज कल्याण पदाधिकारी आवेदन को स्वीकृत करेंगे.

संक्षिप्त समाचार

हरजोत कौर बम्हरा बनीं बीपीएससी की नई अध्यक्ष, 29 नवंबर से संभालेंगी जिम्मेदारी

पटना , एजेंसी। बिहार सरकार ने 1992 बैच की आईएएस अधिकारी हरजोत कौर बम्हरा को ब्लाबलाब्ल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह 29 नवंबर 2026 से पदभार संभालेंगी। इससे एक दिन पहले उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दी जाएगी। उनका कार्यकाल छह साल या 62 वर्ष की आयु तक रहेगा। बिहार सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हरजोत कौर बम्हरा को बिहार लोक सेवा आयोग (ब्लाबलाब्ल) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने 24 नवंबर 2026 को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। इसके अनुसार, उनकी नियुक्ति 29 नवंबर 2026 से प्रभावी होगी। इससे एक दिन पहले यानी 28 नवंबर को उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दी जाएगी। हरजोत कौर बम्हरा 1992 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं। उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 316 के तहत उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया है। सरकार ने इस संबंध में दो अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना में 28 नवंबर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और दूसरी में 29 नवंबर से आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति का आदेश दिया गया है। सरकारी अधिसूचना में उनके कार्यकाल की अवधि भी स्पष्ट की गई है। संविधान के अनुच्छेद 316(2) के प्रावधानों के अनुसार, हरजोत कौर बम्हरा पदभार ग्रहण करने की तारीख से छह साल या 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक ब्लाबलाब्ल की अध्यक्ष रहेंगी। इन दोनों में से जो भी पहले होगा, उसी के आधार पर उनका कार्यकाल समाप्त होगा।

फतुहा मुठभेड़ कांड में जब्त वाहनों से फिर मिले 102 कारतूस और देसी पिस्टल, यूपी से कौन सा तार जुड़ा?



पटना, एजेंसी। फतुहा मुठभेड़ मामले की जांच में एसटीएफ को एक और अहम सुराग मिला है। पहले जब्त किए गए वाहनों की दोबारा जांच में हथियार और कारतूस बरामद हुए हैं। जांच एजेंसी को कारतूस की आपूर्ति के तार उत्तर प्रदेश से जुड़े होने की जानकारी मिली है। पटना जिले के फतुहा में हुए पुलिस मुठभेड़ मामले में बिहार एसटीएफ ने जब्त वाहनों की दोबारा तलाशी लेकर हथियारों और कारतूस की एक और खेप बरामद की है। दोनों वाहनों से 315 बोर के 102 जिंदा कारतूस और 32 बोर की एक देसी पिस्टल मिली है। अदालत के आदेश पर 23 नवंबर को न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में फतुहा थाना परिसर में तलाशी की कार्रवाई की गई। मामला 11 मार्च 2026 का है। उस दिन फतुहा थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के बाद तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें पटना निवासी शत्रुघ्न कुमार और सारण जिले के सुजीत कुमार व सुंदरम कुमार शामिल थे। गिरफ्तारी के दौरान आरोपितों के कब्जे से दो वाहनों में रखे कुल 1170 कारतूस बरामद किए गए थे। मामले की जांच के दौरान बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने आरोपितों के मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया। इसके आधार पर कारतूस की आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटाई गई। जांच में उत्तर प्रदेश से कारतूस की सप्लाई होने का सुराग मिला। इसी दौरान एसटीएफ को आशंका हुई कि पहले जब्त किए गए दोनों वाहनों में कुछ और कारतूस छिपाकर रखे गए हो सकते हैं। इसके बाद टीम ने अदालत से वाहनों की दोबारा तलाशी लेने की अनुमति मांगी।

3606 करोड़ की औरंगाबाद-बिहटा रेललाइन की डेडलाइन तय, बिहार के 4 जिलों को मिलेगी सौगात

औरंगाबाद,एजेंसी। जिले की तस्वीर बदलने वाली चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा मंगलवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा शामिल हुईं। बैठक में रेल संपर्क के विस्तार, सिंचाई सुविधा, शहरी पेयजल आपूर्ति और भूमि अधिग्रहण की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। जिले के लिए महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं में कहीं भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है तो कहीं निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अमृत 2.0 के तहत शहरी जलापूर्ति परियोजना की भौतिक प्रगति 81.69 प्रतिशत बताई गई है। वहीं, औरंगाबाद शहर को मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया निर्णायक चरण में है। बिहटा से अनुग्रह नारायण रोड तक 117.06 किलोमीटर लंबी नई रेललाइन परियोजना पटना, अरवल, जहानाबाद और औरंगाबाद को रेल संपर्क से जोड़ने की महत्वपूर्ण योजना है। इसकी संशोधित लागत 3606.42 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। परियोजना को सितंबर 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके पूरा होने से इन जिलों के लोगों को रेल यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में आवागमन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। बैठक में परियोजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति और भूमि अधिग्रहण से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की गई।औरंगाबाद शहर को मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए 12.906 किलोमीटर लंबी नई रेललाइन का निर्माण प्रस्तावित है। 440.59 करोड़ रुपये की इस परियोजना के लिए सात मौजों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है।

भागलपुर के किसानों की आय बढ़ाने की अनूठी पहलः

मखाना संग मत्स्य पालन सीखने पूर्वी चंपारण रवाना हुआ 38 किसानों का दल

भागलपुर, एजेंसी। किसानों की आमदनी बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा), भागलपुर की ओर से एक नई पहल की गई है। मखाना आधारित समेकित कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए जिले के 38 प्रगतिशील एवं नवाचार किसानों का दल मंगलवार को चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के लिए पूर्वी चंपारण रवाना हुआ। किसानों के इस दल को तिलकामांझी स्थित कृषि भवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।



पिपराकोठी में 25 से 28 नवंबर तक सीखेंगे समेकित खेती के गुर : यह चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 25 से 28 नवंबर तक पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी (पूर्वी चंपारण) में आयोजित किया जाएगा। इसमें भागलपुर के किसानों को मखाना की खेती के साथ मत्स्य पालन (मछली पालन) को जोड़कर समेकित कृषि प्रणाली विकसित करने की बारीकियां सिखाई जाएंगी। इसके माध्यम से किसान एक ही जलीय कृषि व्यवस्था से आय के कई स्रोत विकसित करने की आधुनिक तकनीक सीख सकेंगे।

आत्मा के उप परियोजना निदेशक प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मखाना उत्पादन के साथ मत्स्य पालन को जोड़कर किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। जिले के विभिन्न प्रखंडों से चयनित किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, मखाना उत्पादन की उन्नत विधियों और समेकित खेती के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा, जिससे उन्हें पारंपरिक खेती के साथ नई कृषि गतिविधियां अपनाने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान को किसान अपने खेतों और तालाबों में सीधे लागू कर सकेंगे। इससे कृषि लागत कम करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी। किसानों के इस दल को नवगछिया एवं बिहपुर के प्रखंड तकनीकी प्रबंधक परमेश्वर कुमार सिंह और कुमार गौतम के नेतृत्व में रवाना किया गया है।

DMCH में मरीज की मौत के बाद परिजन की पिटाई, आयुक्त ने अधीक्षक समेत तीन अधिकारियों का वेतन रोका



दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में मरीजों के इलाज के साथ अब परिजनों की सुरक्षा भी सवालों के घेरे में है। लगातार सामने आ रही अव्यवस्थाओं और दुर्व्यवहार की शिकायतों ने स्वास्थ्य महकमे की चिंता बढ़ा दी है। हालात ऐसे बने कि प्रमंडलीय आयुक्त को हस्तक्षेप करना पड़ा। आइये जानते हैं क्या है पूरा मामला...दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में मरीजों के परिजनों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार की घटनाओं को लेकर प्रमंडलीय आयुक्त हिमांशु कुमार राय ने कड़ा रुख अपनाया है। अस्पताल में मरीज की मौत के बाद ट्रॉली मांगने पर ट्रॉली मैन द्वारा परिजन की पिटाई किए जाने के मामले में आयुक्त ने डीएमसीएच अधीक्षक, स्वास्थ्य प्रबंधक और मेडिसिन विभागाध्यक्ष का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया है। आयुक्त ने अस्पताल की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के लिए विस्तृत निरीक्षण और दोबारा बैठक करने की भी बात कही है।

बिहार में डेली 15 हजार लोग फ्लाइट से उड़ रहे:दरभंगा एयरपोर्ट पर दोगुने हुए यात्री, पटना से 44 लाख लोगों ने भरी उड़ान



पटना, एजेंसी। बिहार में हवाई सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ी है। राज्य के चार चालू एयरपोर्ट से यात्रियों की आवाजाही के आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। रोज करीब 15 हजार यात्री उड़ान भरते हैं।

2025-26 में दरभंगा एयरपोर्ट ने यात्री संख्या में वृद्धि के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया। यहां यात्रियों की संख्या एक साल में 54.6% बढ़ी है। वहीं, पटना एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में 14.8% का इजाफा हुआ है। पटना एयरपोर्ट से एक साल में 43.86 लाख यात्रियों ने सफर किया। ऑफिशियल एयरलाइन गाइड की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार बिहार के गया एयरपोर्ट पर भी यात्रियों की संख्या में 8.6% की बढ़ोतरी हुई है, जबकि पूर्णिया एयरपोर्ट से परिचालन शुरू होने के बाद अब तक 1.62 लाख यात्री आवाजाही कर चुके हैं।

दरभंगा एयरपोर्ट से एक साल में 7.75 लाख लोगों ने किया सफर : बिहार में एयर कनेक्टिविटी का विस्तार यात्रियों की बढ़ती संख्या के रूप में नजर आने लगा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में दरभंगा एयरपोर्ट ने यात्री वृद्धि के मामले में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। यहां पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 54.6% यात्री बढ़े।

2027 तक बनेगा एआई और मशीन लर्निंग आधारित ग्लोबल डिलीवरी सेंटर, 200 युवाओं को मिलेगा रोजगार

पटना, एजेंसी। बिहार में 2027 तक AI और मशीन लर्निंग आधारित ग्लोबल डिलीवरी सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में सूचना प्रावैधिकी विभाग और टाइगर एनालिटिक्स के बीच एमओयू हुआ। इस परियोजना से करीब 200 युवाओं के लिए उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

बिहार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की तैयारी है। राज्य में वर्ष 2027 तक AI एवं मशीन लर्निंग आधारित ग्लोबल डिलीवरी सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके माध्यम से करीब 200 युवाओं के लिए उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस परियोजना को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग और कंपनी टाइगर एनालिटिक्स इंडिया कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।



पटना स्थित लोक सेवक आवास के 'संकल्प' सभागार में आयोजित कार्यक्रम में इस समझौते पर सहमति बनी। परियोजना के तहत टाइगर एनालिटिक्स इंडस्ट्री पार्टनर की भूमिका निभाएगा। सरकार का उद्देश्य इस सेंटर के माध्यम से बिहार को देश के प्रमुख डेटा इकोसिस्टम हब के रूप में विकसित करना है।

इस ग्लोबल डिलीवरी सेंटर के माध्यम से राज्य के छात्र-छात्राओं, युवाओं, तकनीकी पेशेवरों और सरकारी अधिकारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इससे युवाओं की तकनीकी दक्षता और कौशल विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। सरकार के मुताबिक, इस पहल से युवाओं को भविष्य की उभरती तकनीकों के अनुरूप रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर मिल सकेंगे। इसके साथ ही राज्य में तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बिहार में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर: एक युवक की मौत; मेडिकल कॉलेज के दो छात्रों समेत चार घायल

तिरहुत-मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के तुर्की थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में 25 वर्षीय राकेश कुमार की मौत हो गई। हादसे में मेडिकल कॉलेज के दो छात्रों समेत चार युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एक घायल को पटना रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक निजी मेडिकल कॉलेज के दो छात्र भी शामिल हैं। हादसा तुर्की थाना क्षेत्र के तुर्की-छाजन रोड पर रात के समय हुआ। घायलों में एक की हालत नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जुट गए, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार, तीन युवक तुर्की चौक स्थित मछली की दुकान से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरडीजेएम मेडिकल कॉलेज के दो छात्र दूसरी बाइक से तुर्की की ओर जा रहे थे। तुर्की-छाजन रोड पर दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक पर सवार सभी पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।



हादसे में छाजन मनरिया निवासी करीब 25 वर्षीय राकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पंकज कुमार और महेश सहनी समेत चार अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। एक घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे पटना रेफर कर दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस, जांच शुरू : घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ वेस्ट-2 अनिमेष चंद्र ज्ञानी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में कुल पांच युवक घायल हुए थे। इनमें दो मेडिकल कॉलेज के छात्र और तीन स्थानीय ग्रामीण शामिल थे। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हैं। सभी घायलों की स्थिति गंभीर बताई गई है।

गंगा स्नान से लौट रही महिलाओं का ऑटो ट्रक से टकराया, एक की मौत; तीन साल की बच्ची समेत 10 घायल



पटना, एजेंसी। भोजपुर के कोईलवर में आरा-छपरा हाईवे पर मंगलवार को सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन साल की बच्ची समेत 10 लोग घायल हो गए। सभी महिलाएं डोरीगंज घाट पर गंगा स्नान कर लौट रही थीं। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। आरा-छपरा हाईवे पर कोईलवर थाना क्षेत्र के जमालपुर ग्रामीण बैंक के पास मंगलवार को तेज रफ्तार हादसे में एक महिला की जान चली गई। गंगा स्नान कर घर लौट रही महिलाओं से भरा ऑटो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में ऑटो सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ महिलाओं और तीन वर्षीय बच्ची समेत 10 लोग घायल हो गए।

मृतका की पहचान चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा गांव निवासी राम भगवान चौधरी की 45 वर्षीय पत्नी कौशला देवी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सभी महिलाएं बबुरा के डोरीगंज घाट पर गंगा स्नान करने गई थीं। स्नान के बाद वे ऑटो से अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान जमालपुर ग्रामीण बैंक के पास सामने से आ रही बाइक को बचाने के प्रयास में चालक ऑटो पर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद ऑटो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराकर पलट गया।

मुजफ्फरपुर में 5,051 दीपों से जगमगाया मुक्तिधाम घाट, गंगा महाआरती के साथ मनी देव दीपावली

तिरहुत-मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर स्थित मुक्तिधाम सीढ़ी घाट पर देव दीपावली महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पूरे परिसर को 5,051 दीपों से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर भगवान शिव की आराधना की। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को देशभर में देव दीपावली का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।



इसी क्रम में मुजफ्फरपुर शहर के बीचोंबीच स्थित मुक्तिधाम में भी देव दीपावली धूमधाम से मनाई गई। दीपों की रोशनी से मुक्तिधाम परिसर जगमगा उठा। हजारों की संख्या में लोग इस घाट पर पहुंचे और पर्व में उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शाम ढलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर और घाट पर भक्तों ने दीप प्रज्वलित किए और भगवान शिव की आराधना की। पूरा वातावरण भक्ति और प्रकाश से सराबोर हो गया।

गौरतलब है कि देव दीपावली को देवों की दिवाली या त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व भगवान शिव द्वारा राक्षस त्रिपुरासुर के वध की स्मृति में मनाया जाता है। इसी मान्यता के कारण इस दिन को देवताओं की दिवाली कहा जाता है। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। लोग अपने परिवार के साथ घाट पर पहुंचे और पर्व मनाया।

आयोजन के दौरान भजन-कीर्तन के साथ महाआरती भी की गई। इस मौके पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने बताया कि यह पल उनके लिए बेहद ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। सनातन परंपरा में एक और दिवाली मनाई जाती है, जो देवताओं को समर्पित है।

भोजपुर में शादी समारोह के दौरान हथियारबंद बदमाशों ने की

ताबड़तोड़ फायरिंग, दो युवकों की मौत

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के भोजपुर जिले में मंगलवार रात एक शादी समारोह के दौरान हथियारबंद अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की। इस फायरिंग में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गोलीबारी की इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। यह मामला भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चकिया गांव का है। बताया गया कि चकिया गांव निवासी नरेश यादव की बेटी नेहा की शादी थी। बारात कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के पद्मिनिया गांव से आई थी। बारात आने के बाद जयमाला का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद सभी ने खाना खाया और आपस में बातचीत करने लगे। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार छह हथियारबंद अपराधी वहां पहुंचे और बिना कुछ कहे फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी में किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला। गोलियों की आवाज से पूरा समारोह दहल उठा। देखते ही देखते शादी की खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं। फायरिंग के दौरान एक युवक को बाएं कान और सिर के दाहिने हिस्से में गोली लगी, जबकि दूसरे युवक के पेट, दाहिने हाथ की बांह, बाएं हाथ के कंधे और कोहनी के पास गोली लगी। दोनों ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शुभकरणगंज गांव निवासी सनोज यादव के 20 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार और महंत यादव के 21 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई है। वहीं, जख्मी युवक दौलतपुर गांव निवासी सुरेंद्र यादव का 18 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार है। उसकी दाहिनी जांघ में गोली लगी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने राहुल और दीपक को मृत घोषित कर दिया। सोनू का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ वन सुशील कुमार पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे। वहां जख्मी सोनू से घटना की जानकारी लेने के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। एसडीपीओ ने बताया कि शादी समारोह के दौरान तीन युवकों को गोली मारी गई, जिसमें दो की मौत हो गई है। प्रारंभिक जांच में पूर्व के विवाद की बात सामने आई है। इस मामले में दो-तीन बिंदुओं पर जांच की जा रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। कुछ संदिग्धों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।



संक्षिप्त समाचार

हिंदू मेले में लोग जानेंगे मठ-मंदिरों के सेवा कार्य

कानपुर , एजेंसी। बृजेंद्र स्वरूप पार्क में पांच दिवसीय हिंदू और आध्यात्मिक एवं सेवा मेला-2026 गुरुवार से शुरू होगा। यह मेला 30 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 10 से रात 10 बजे तक चलेगा। इसमें भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और सेवा के विविध आयामों को एक मंच पर देखा जा सकेगा। मेले में लोग मठ-मंदिरों के जनसेवा के कार्यों के संबंध में जानेंगे। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम का वेंकटेश्वर धर्म प्रचार रथ मेले का आकर्षण रहेगा। राष्ट्रीय आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के राष्ट्रीय संयोजक गुणवंत सिंह कोठारी और मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष राजकुमार लोहिया, सचिव अरविंद दीक्षित, संजीव दीक्षित ने मंगलवार को बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में पत्रकारों को मेले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक 126 संस्थाओं ने पंजीयन कराया है। मेले में प्रतिदिन आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला होगी। मेले में संत-महात्माओं, आध्यात्मिक विभूतियों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों का सानिध्य प्राप्त होगा।

59 साल की उम्र में आयोग से प्राचार्य बने प्रो. मनोज जौहरी

कानपुर , एजेंसी। डीएवी कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. मनोज जौहरी ने 59 साल की आयु में आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। प्रो. जौहरी अब आयोग से प्राचार्य बन गए हैं। वे इकलौते कार्यवाहक प्राचार्य हैं जिन्होंने 59 वर्ष की आयु में भी परीक्षा क्वालिफाई की है। उनको 83वीं रैंक मिली है। प्रो. जौहरी के अलावा कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील सिंह ने 29वीं रैंक प्राप्त की है। राजनीति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर पुष्कर पांडेय 43वीं रैंक पर चयनित हुए हैं। उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग की ओर से महाविद्यालयों में प्राचार्य पद पर चयन का परिणाम जारी कर दिया गया है। बीएनडी कॉलेज के प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय ने सातवीं और प्रो. अनोखे लाल पाठक ने 18वीं रैंक प्राप्त की है। पीपीएन कॉलेज के प्रो. सतीश चंद्रा ने दूसरी, डॉ. शिखा सिंह ने 47वीं, डॉ. वंदना पांडेय ने 93वीं रैंक प्राप्त की है। वीएसएसडी कॉलेज के प्रो. मनोज भूषण पांडेय की 17वीं और डॉ. इंद्रमणि की 88वीं रैंक मिली है। ब्रह्मावर्त पीजी कॉलेज के डॉ. पुष्पेंद्र कुमार सिंह की 13वीं रैंक आई है। कानपुर विश्वविद्यालय प्राचार्य परिषद के अध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार सिंह और महामंत्री प्रो. वीके कटियार ने सभी चयनित प्राचार्यों को बधाई दी।

बाल निकुंज स्पोर्ट्स अकादमी में मिलेगा चार खेलों का मिलेगा प्रशिक्षण

कानपुर , एजेंसी। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए वर्ष 1956 से समर्पित संस्था बाल निकुंज ने मंगलवार को स्वरूपनगर स्थित परिसर में स्पोर्ट्स अकादमी की शुरुआत की। अकादमी का उद्घाटन संस्था के अध्यक्ष, पूर्व सांसद व पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्यदेव पचौरी ने क्रिकेट पिच और फुटबॉल मैदान का फीता खोलकर किया। अकादमी में क्रिकेट, फुटबॉल, शतरंज और ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पचौरी ने कहा कि आर्थिक कमजोर परिवारों के बच्चों को यहां निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि प्रतिभा संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए। क्रिकेट का प्रशिक्षण रणजी कोच राहुल सफरू के निर्देशन में जफर आलम और बीसीसीआई के प्रशिक्षक देंगे। फुटबॉल का प्रशिक्षण जय बजाज के निर्देशन में अनिल शर्मा और मोहम्मद साबिर कराएंगे। शतरंज का प्रशिक्षण हरीश रस्तोगी और ताइक्वांडो का प्रशिक्षण सुनील सिंह देंगे। उद्घाटन समारोह में अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी संजीव पाठक, क्रिकेटर राहुल सफरू, उपाध्यक्ष अनूप पचौरी, रीता डे, जय बजाज, डॉ. इंद्र मोहन रोहतगी, अरुण दुबे, रचित पाठक, सुनील सिंह आदि मौजूद रहे।

पीएम आवास निर्माण में सुस्ती, दो बिल्डरों को बीडीए देगा नोटिस

बरेली , एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्माण एजेंसियों की सुस्ती से लाभार्थियों को परेशानी हो रही है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) अब दो बिल्डरों को नोटिस जारी करने की तैयारी में है। कुल 2598 आवासों में से अब तक केवल 249 का ही आवंटन हो पाया है। बीडीए की निगरानी में तीन निजी एजेंसियों और प्राधिकरण को कुल 2598 आवास बनाने थे। इनमें से 1754 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। वर्ष 2018 में शुरू हुई इन परियोजनाओं को 24 माह में पूरा करना था। बीडीए ने व्योमखंड में अपने 254 आवास बनाए हैं, जिनमें से 249 आवंटित हो चुके हैं। हालांकि, करोड़ों रुपये का सरकारी अनुदान मिलने के बावजूद कई लाभार्थियों को कब्जा नहीं मिला है। इससे आवंटन प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है। मेगा इंफ्रा ड्रीम को कुआंडांडा के पुरनापुर में 1500 आवास बनाने थे, जो तैयार हैं पर कब्जा नहीं मिला। धनराज बिल्डर्स और मोहन बिल्डर्स की परियोजनाओं में करीब 65 फीसदी काम ही पूरा हुआ है। बीडीए ने निर्माण एजेंसियों को अब तक पांच बार नोटिस जारी किए हैं। बैठकों में भी काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद निर्माण की गति में सुधार नहीं हुआ। अब दो अधूरी परियोजनाओं के बिल्डरों को फिर से नोटिस जारी किए जाएंगे। उन्हें काम में तेजी लाने के निर्देश दिए जाएंगे। फ्लैटों के आवंटन के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। एक बिल्डर ने निर्माण पूरा कर लिया है, जबकि दो की परियोजनाओं का काम बाकी है। निर्माण में देरी पर संबंधित बिल्डरों को नोटिस जारी किए जाएंगे, ताकि काम जल्द पूरा कराया जा सके। -सौम्या पांडेय, उपाध्यक्ष, बीडीए

21 लाख दीये जले, घाटों पर उमड़ा सैलाब

15 लाख से ज्यादा लोगों ने देखी देव दीपावली

वाराणसी , एजेंसी। देव दीपावली पर मंगलवार को काशी के घाटों पर आस्था का महासागर उमड़ा। गंगा के दोनों किनारों पर सजे दीपों की कतारों और पानी में झिलमिलाती उनकी परछाइयों ने अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। घाटों, सामने की रेती, कुंडों और अन्य आयोजन स्थलों पर कुल 21 लाख दीये जलाए गए। पुलिस, प्रशासन के मुताबिक, 15 लाख से ज्यादा लोगों ने देव दीपावली देखी है।

गंगा के सामने चेत सिंह घाट की रेती पर पहली बार 2100 मेड इन इंडिया ड्रोन से शिव तांडव, गंगा अवतरण और काशी के प्रमुख धार्मिक स्थलों की आकृतियां आसमान में उकेरी गईं। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती के साथ कारगिल युद्ध के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने 84 घाटों के

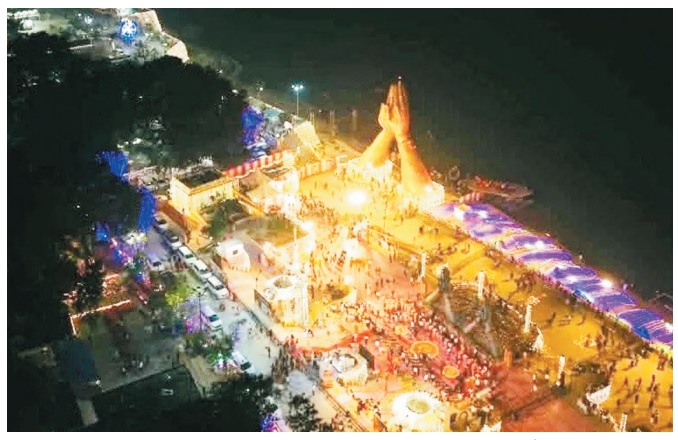

जीपीएस आधारित ऑडियो टूर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अब पर्यटक 15 भाषाओं में काशी की विरासत और घाटों की कहानियां सुन सकेंगे। यूपी टूरिज्म की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल एप पर उपलब्ध इस सुविधा के माध्यम से पर्यटक बिना गाइड के काशी के घाटों का इतिहास, धार्मिक परंपराएं और उनसे जुड़ी स्थानीय मान्यताएं जान सकेंगे।

यह सुविधा हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, तमिल, तेलुगु, गुजराती, कन्नड़, ओडिया, मलयालम, उर्दू, फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, जापानी और कोरियाई सहित अन्य भाषाओं में उपलब्ध है। यह पहल काशी की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का प्रयास है।

इससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों, विद्यार्थियों और संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों को घाटों के ऐतिहासिक महत्व, धार्मिक परंपराओं और स्थानीय मान्यताओं को समझने का अवसर मिलेगा। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि पर्यटकों के आने से कारोबार करीब 500 करोड़ रुपये तक पहुंचा है।

अधिकारी बोले

गंगा घाटों और उस पार रेती से 15 लाख लोग देव दीपावली के साक्षी बने हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। यातायात व्यवस्था सामान्य बनी रहे इसकी व्यवस्था भी बनाई गई थी।

-मोहित अग्रवाल, पुलिस आयुक्त, वाराणसी

डिफेंस कॉरिडोर के लिए 1681 करोड़ से खरीदी जाएगी जमीन, 790 हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण

लखनऊ, एजेंसी। रक्षा क्षेत्र की कंपनियों से मिल रहे निवेश प्रस्तावों और जमीन की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रदेश सरकार डिफेंस कॉरिडोर का विस्तार कर रही है। इसके तहत कानपुर, झांसी, शाहजहांपुर और संभल में करीब 790 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इस पर कुल 1681 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

यूपीडा बोर्ड ने इनमें से विभिन्न जमीन अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव के मुताबिक, कानपुर के नर्वल में 113 हेक्टेयर जमीन 400 करोड़ रुपये और झांसी की गरौठा तहसील में 71 हेक्टेयर जमीन 375 करोड़ रुपये में खरीदी जाएगी। वहीं, शाहजहांपुर के जलालाबाद में 277 हेक्टेयर जमीन के लिए 302 करोड़ और संभल में 329 हेक्टेयर जमीन के लिए 604 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कानपुर और झांसी के प्रस्तावों को मिलाकर 775 करोड़ रुपये के अधिग्रहण पर यूपीडा बोर्ड ने सहमति दी है।

इन नए क्षेत्रों में जमीन उपलब्ध होने से रक्षा उपकरण, मिसाइल, गोला-बारूद, एयरोस्पेस और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली कंपनियों को औद्योगिक भूखंड मिल सकेंगे। संभल में 12 से अधिक कंपनियां निवेश के लिए प्रस्ताव दे चुकी हैं। डिफेंस कॉरिडोर में अब तक कुल 35,526.76 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें कानपुर नोड के लिए 12,803 करोड़ और झांसी नोड के लिए 11,738 करोड़ रुपये के प्रस्ताव शामिल हैं। बढ़ते निवेश के बीच जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार अब छह मूल नोड से आगे आसपास के जिलों में भी औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की तैयारी कर रही है।

ये अधिकारी टैक्स माफिया के करीबी, नौकरी के लायक नहीं, अफसरों की ग्रेडिंग कर की तीखी टिप्पणी

लखनऊ, एजेंसी। राज्य कर विभाग के क्लास वन अधिकारियों को ग्रेडिंग देते हुए प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज द्वारा की गई टिप्पणियों से विभाग में खलबली है। डिप्टी कमिश्नर, ज्वाइंट कमिश्नर और एडिशनल कमिश्नर रैंक के कई अधिकारियों की गोपनीय प्रविष्टि में उन्होंने यहां तक लिख दिया कि ये अधिकारी टैक्स माफिया के करीबी हैं और सरकारी नौकरी के लायक नहीं है। 200 अधिकारियों को फेल करने के साथ ही देवराज ने राज्य कर आयुक्त की रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया।

आगरा के एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-2 रहे अंजनी अग्रवाल को रिपोर्टिंग और रिव्यूइंग अधिकारियों ने 10 में से 8.63 अंक दिए थे लेकिन प्रमुख सचिव एम देवराज ने उन्हें 5.50 अंक देते हुए लिखा कि उन्हें उनकी वास्तविक क्षमता से अधिक आंका गया है। वे बहुत जानकार हैं, लेकिन मैंने उन्हें प्रवर्तन (एनफोर्समेंट) कार्यों में पूरी तरह से कमजोर पाया है। यहां तक कि जब मैंने उन्हें कर चोरी में शामिल वाहनों की जानकारी दी, तब भी वे कुछ खास नहीं कर पाए। अंजनी कुमार अग्रवाल ने अपने मातहत चंद्रकांत रल्हन को 8.07 अंक दिए। कमिश्नर ने भी लगभग इतने ही नंबर दिए लेकिन प्रमुख सचिव ने



उनकी सत्यनिष्ठा को संदिग्ध बताते हुए 3.7 नंबर दिए।

नोएडा में तैनात रहीं डिप्टी कमिश्नर लज्जा पांडेय के अंक 8 में से काटकर 1.5 देने के साथ ही उनकी भी सत्यनिष्ठा संदिग्ध करार दी गई। आगरा में ही तैनात डिप्टी कमिश्नर रैंक के एक अधिकारी को तो 9 अंक मिले लेकिन प्रमुख सचिव ने केवल 1 अंक देते हुए लिखा कि लोहे के टैक्स माफिया से अधिकारी के करीबी संबंध हैं। ये अफसर तो सरकारी नौकरी करने के लायक ही नहीं है। अधिकारी कोर्ट जाने की तैयारी में: जीएसटी आफिसर्स एसोसिएशन ने कहा कि यदि सत्यनिष्ठा पहले से संदिग्ध थी तो प्रमुख सचिव ने पहले ही कार्रवाई क्यों नहीं की। कारण बताओ नोटिस क्यों नहीं दिया। वहीं संयुक्त मंच ने उदाहरण दिया कि लखनऊ के एक खंड के आठ अधिकारी एक ही काम कर रहे थे। फिर भी सात को 10 में से 8-9 अंक और एक को केवल 1 अंक दिया गया।

सामूहिक नकल की खुली पोल, तीन कॉलेजों के परीक्षा केंद्र निरस्त; अब दूसरे कॉलेजों में देंगे पेपर

आगरा, एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाओं में सामूहिक नकल के मामले में तीन परीक्षा केंद्र निरस्त कर दिए गए हैं। वहीं, एक महाविद्यालय सील होने के कारण वहां के परीक्षार्थियों का केंद्र भी बदल दिया गया है। विश्वविद्यालय ने 23 नवंबर को चार अलग-अलग कार्यालय पत्र जारी कर केंद्रों में बदलाव किया है। संबंधित परीक्षार्थी अब 25 नवंबर से नए केंद्रों पर परीक्षा देंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओम प्रकाश ने बताया कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत संचालित नवंबर-दिसंबर 2026 की सेमेस्टर परीक्षाओं में की गई है।

इसमें बीए, बीएससी, बीकॉम, बीकॉम वोकेशनल के प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर तथा एमए, एमएससी और एमकॉम के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के परीक्षार्थी शामिल हैं। सामूहिक नकल के कारण मथुरा के ज्ञान एजुकेशन इंस्टीट्यूट, लालपुर का परीक्षा केंद्र निरस्त कर दिया गया है।

यहां के परीक्षार्थियों की परीक्षा अब श्री सिद्धि विनायक महाविद्यालय, गोवर्धन में होगी। मथुरा के ही पं. हुकुम सिंह एजुकेशन कॉलेज, राया-बलदेव रोड, कराब का केंद्र भी



निरस्त किया गया है। इसके परीक्षार्थियों को श्री फतेह सिंह डिग्री कॉलेज, नगला-रायसिंह, पछावर में परीक्षा देनी होगी। आगरा के किसान दिलीप सिंह बघेल मेमोरियल डिग्री कॉलेज, नगला लेखराज, धनौली का केंद्र भी सामूहिक नकल के कारण निरस्त किया गया है। यहां के परीक्षार्थियों का नया केंद्र श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा शिक्षण संस्थान, फतेहपुर सीकरी रोड, कोरई किरावली बनाया गया है।

वहीं, श्री सुरेश चंद्र सिंघल मेमोरियल महाविद्यालय, डांडा मोड़, जगनेर-आगरा मार्ग का परीक्षा केंद्र उप जिलाधिकारी खेरागढ़ के पत्र के आधार पर कॉलेज सील होने के कारण बदला गया है। यहां के परीक्षार्थी अब सरदार पटेल एजुकेशनल कॉलेज, अटा, खेरागढ़ में परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय ने संबंधित महाविद्यालयों के लॉगिन पर संशोधित प्रवेश पत्र उपलब्ध करा दिए हैं। अधिकृत एजेंसी को संशोधित प्रवेश पत्र अपलोड कर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। नोडल केंद्र प्रभारियों को भी संबंधित महाविद्यालयों को केंद्र परिवर्तन की सूचना देने को कहा गया है। चारों केंद्रों पर छात्र और छात्रा दोनों वर्ग के परीक्षार्थी शामिल हैं।

बसपा ने खोल दिए पत्ते, दो विधानसभा पर चला ब्राह्मण-ओबीसी कार्ड; भाजपा-सपा की बढ़ी टेंशन?

आगरा, एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव-2027 की बिसात बिछाते हुए बहुजन समाज पार्टी ने सबसे पहले अपने पत्ते खोल दिए हैं। पार्टी ने खेरागढ़ से ब्राह्मण और एत्मादपुर की सामान्य सीट पर पिछड़ा कार्ड खेलते हुए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसके अलावा फतेहपुर सीकरी, आगरा ग्रामीण और छावनी सीट पर भी अघोषित लड़ाके तय हो गए हैं, जबकि भाजपा और सपा-कांग्रेस गठबंधन में अभी टिकटों पर मंथन जारी है।

बसपा नेतृत्व ने एत्मादपुर सामान्य सीट से पिछड़ा वर्ग के सर्वेश बघेल को मैदान में उतारा है। इससे पहले पार्टी जातीय समीकरणों को साधते हुए खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र से ब्राह्मण चेहरे के रूप में नीरज रावत को उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। चुनाव से करीब चार महीने पहले ही पार्टी ने पांच सीटों पर स्थिति लगभग स्पष्ट कर बढ़त बनाने की कोशिश की है।

जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर 10 साल से भारतीय जनता पार्टी काबिज है

2017 और 2022 के बाद जहां एक तरफ भाजपा के पास तीसरी बार क्लीन स्वीप कर हैट्रिक लगाने का मौका है। वहीं, दूसरी तरफ 2007 और 2012 में छह-



छह सीटों पर जीत दर्ज करने वाली बसपा के सामने खिसकते जनाधार को बचाने की कड़ी चुनौती है। पिछले दो चुनावों में बसपा का हाथी भाजपा के कमल के आगे चारों खाने चित हो गया था। पिछले चुनाव में तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंची समाजवादी पार्टी, पीडीए के रथ पर सवार होकर जिले में 15 साल का सूखा खत्म होने की आस में परिवर्तन की ताल ठोक रही है।

दूसरी ओर, सपा-कांग्रेस गठबंधन और सत्तारूढ़ भाजपा में अंदरखाने टिकट वितरण को लेकर खींचतान का दौर चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, सपा में टिकट के दावेदारों की लंबी फेहरिस्त होने के कारण पेच फंसा है।

सपा ने पिछले चुनाव में अंतिम समय पर प्रत्याशी घोषित किए थे। वहीं, भाजपा में भी कई दिग्गजों की साख दांव पर है। वर्तमान विधायकों से लेकर संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार-विमर्श जारी है और राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि पार्टी आगामी चुनाव में अपने कई मौजूदा विधायकों के टिकट काट सकती है।

स्टॉपेज निर्धारित फिर भी मनमर्जी से रुक रहीं ई-बसें

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर में सड़क किनारे ई-बस स्टॉपेज का बोर्ड लगा है। वहां यात्री बस के इंतजार में खड़े हैं। ई-बस आती दिखाई देती है तो यात्री हाथ देकर रुकने का इशारा करते हैं लेकिन चालक बस रोके बिना आगे बढ़ जाता है। कुछ दूर जाने के बाद वही बस सड़क किनारे किसी यात्री के इशारे पर रुक जाती है।

मंगलवार दोपहर सारसौल चौराहे से पनैठी व हरदुआगंज के लिए संचालित इलेक्ट्रिक बसों के रूट पर यही नजारा देखने को मिला। निर्धारित ठहराव होने के बावजूद बसें कई जगह बिना रुके आगे बढ़ती दिखाई दीं। सारसौल चौराहे से पनैठी के बीच आरटीओ कार्यालय, मेलरोज बाईपास, नुमाइश मैदान, मसूदाबाद चौराहा, रसलगंज चौराहा और गांधीपार्क पुराना बस स्टैंड पर ई-बसों के स्टॉपेज बनाए गए हैं। इसके बावजूद इन स्थानों पर खड़े यात्रियों को बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। कई बसें स्टॉपेज पर रुके बिना आगे निकल जाती हैं। हालांकि, रास्ते में कुछ चालक यात्रियों के हाथ देने और रुकने का इशारा करने पर सड़क किनारे बस रोककर उन्हें बैठाते और उतारते भी नजर आए।

ये समस्या केवल सारसौल-पनैठी रूट तक सीमित नहीं है। शहर से महरावल, हरदुआगंज और सासनीगेट की ओर संचालित होने वाली ई-बसों में सफर करने वाले यात्रियों को भी इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन रूटों पर भी निर्धारित स्टॉपेज पर बसों के ठहराव के मामले में यात्रियों की शिकायतें हैं। स्टॉपेज के बावजूद यात्रियों को बस पकड़ने के लिए सड़क किनारे खड़े होकर हाथ देना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और छात्र-छात्राओं को होती है।

एक्सपायर नमकीन से निकाले तेल का धंधा कई राज्यों तक फैला, बाजार में भी खपाया

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के ओरछी में एक्सपायर नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों की पेराई कर तेल निकालने का मामला महज कुछ गोदामों तक सीमित नहीं है। इस कारोबार के पीछे कई राज्यों और शहरों तक फैले बड़े नेटवर्क की आशंका जताई गई है। नकली खल भी बनाने की बात सामने आई है। अधिकारी अब कारोबार से जुड़े लोगों की संपत्ति और बैंक खातों की जांच की तैयारी करा रहे हैं ताकि कुछ और चीजें स्पष्ट हो सकें।

दिल्ली, हरियाणा, कानपुर और राजस्थान समेत विभिन्न स्थानों से खराब और कम समय में एक्सपायर होने वाले खाद्य पदार्थ सस्ते दामों पर मंगाए जाते हैं। इनमें नमकीन, बिस्कुट, चाउमीन, मैगी, सोया उत्पाद, टॉफी, चूर्ण और चॉकलेट तक शामिल हैं। इनकी पेराई से निकले तेल को कागजों में बायो डीजल कंपनियों को बेचना दिखाया जाता है, जबकि स्थानीय स्तर पर इसे सामान्य खाद्य तेल में मिलाकर रसोई और चाट-पकौड़ी के ठेलों तक पहुंचाने की आशंका है। टीमें तीन दिन से जांच कर रही हैं।

डीएम अवनीश राय के निर्देश पर बिसौली एसडीएम प्रियंका गोयल और सीओ के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में पांच गोदामों को सील कर 200 से अधिक ड्रम तेल बरामद किया गया है। प्रशासन ने संचालकों से तेल और कच्चे



माल की खरीद-बिक्री के बिल व अन्य अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए तीन दिन का समय दिया। इलाके में संचालित दो दर्जन से अधिक अन्य गोदामों और कारखानों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

कम कीमत पर गांवों में बेचा जाता है सामान : संवाद न्यूज एजेंसी की पड़ताल में कारोबार का एक दूसरा पहलू भी सामने आ रहा है। जिन खाद्य पदार्थों की एक्सपायरी डेट नजदीक होती है, उन्हें कंपनियां सामान्य बिक्री के बजाय सस्ते दामों पर कारोबारियों को बेच देते हैं। इसके बाद यह कारोबारी गांव-गांव जाने वाले सेल्समैनों से साठगांठ कर नजदीकी एक्सापयर नमकीन, बिस्कुट समेत अन्य चीजें को दुकानों तक पहुंचाते हैं। कम कीमत पर खरीद और अधिक मुनाफे के लालच में यह सामान ग्रामीण दुकानदारों तक पहुंचता है। इस तरह खराब और कम समय में एक्सपायर होने वाले खाद्य पदार्थों की खपत का अलग नेटवर्क भी चलने की चर्चा है।

तेल के साथ तैयार हो रही नकली खल : नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों की पेराई के बाद निकले अवशेष को भी ठिकाने लगाने के बजाय उससे कमाई का रास्ता निकाला जा रहा है। चर्चा है कि बचे हुए कचरे में डस्ट और अन्य सामग्री मिलाकर पशुओं के लिए खल तैयार की जाती है। इसमें जरूरत के हिसाब से रंग मिलाकर अलग-अलग तरह की खल तैयार करने की बात भी सामने आई है। इस तरह एक ही कच्चे माल से तेल और पशु आहार दोनों तैयार किए जा रहे हैं।

डेढ़ दशक में एक गोदाम से डेढ़ दर्जन से अधिक कारखानों तक पहुंचा कारोबार : स्थानीय लोगों के मुताबिक, करीब डेढ़ दशक पहले शराफत ने साझेदारी में कम जगह पर यह कारोबार शुरू किया था। मुनाफा बढ़ने के बाद उन्होंने अपने-अपने कारखाने स्थापित कर लिए। बाद में दोनों अलग हो गए तो परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इसी काम में हाथ आजमाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे ओरछी के साथ शाहबाद और आसपास के गांवों के लोग भी इस कारोबार से जुड़ते चले गए। अब ओरछी चौराहे से आसफपुर रोड पर सिसरका चौराहे तक करीब डेढ़ दर्जन से अधिक स्पेलर और तेल निकालने वाले कारखाने संचालित हो रहे हैं।

सील गोदामों में श्रमिकों के प्रवेश का आरोप : प्रशासन द्वारा पांच गोदामों को सील करने के बाद भी कारोबार पूरी तरह बंद होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। चर्चा है कि जिन गोदामों को सील किया है, उन गोदामों के अन्य गेट भी हैं, जो सुबह शाम को खोले और बंद किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन कारखानों में रोजाना करीब 300 से 500 महिला और पुरुष श्रमिकों को काम मिलता है। बड़ी संख्या में परिवारों की रोजी-रोटी इसी कारोबार पर निर्भर है।

एसडीएम बिसौली प्रियंका गोयल ने बताया कि ओरछी के पांच गोदामों पर छापा मारा गया था। इस मामले में खाद्य विभाग की ओर से जांच की जा रही है। कई बिंदुओं पर भी जांच कराई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

प्रीत विहार के कैफे में 22 वर्षीय युवती से गैंगरेप का आरोप, दो महिला समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाएं महफूज नहीं हैं। आलम यह है कि अब उनके साथ काम करने वाले सहकर्मी ही उनकी आबरू के दुश्मन बन रहे हैं।

ताजा मामला पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार से सामने आया है, जहां एक महिला के साथ उसके सहकर्मियों ने ही सामूहिक दुष्कर्म किया।

सलाखों के पीछे पहुंचे आरोपी

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो लोग अभी-भी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस के अनुसार, पीड़िता एक कैफे में काम करती थी, जहां इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी भी काम करते थे।

बता दें कि पीड़िता ने सोमवार रात अपने सहकर्मियों के साथ सल्तनत कैफे में आयोजित एक पार्टी में हिस्सा लिया। कैफे बंद होने के बाद भी ये लोग नाचते गाते रहे, चूंकि चाबी इन्हीं के पास थी। इसके बाद सुबह 3:30 बजे ये लोग वहां से निकल गए। वहीं, पीड़िता का आरोप है कि पार्टी में दो लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, जबकि अन्य दो लोगों ने उनकी सहायता की थी।

उधर, पुलिस ने इस मामले को संज्ञान में लेने के बाद चार पुरुषों और दो महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर लिया, जबकि तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को बाकी की तलाश जारी है।

पुलिस का स्पष्ट कहना है कि इस मामले में शामिल आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। महिला को हर हाल में इंसाफ मिलकर रहेगा।

दिल्ली में राजघाट के पास तेज रफ्तार डंपर ने पैदल यात्री को कुचला, मौके पर मौत; आरोपी ड्राइवर फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजघाट के पास देर रात तेज रफ्तार डंपर ने सड़क पार कर रहे एक पैदल यात्री को कुचल दिया।

हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर ड्राइवर वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर दरियागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस के मुताबिक, हादसा देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ। डंपर की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, उसकी मौत हो चुकी थी।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

वहीं, मृतक की उम्र और पहचान की जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। पुलिस आसपास के इलाकों में उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही हैं। दरियागंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस डंपर के नंबर और ड्राइवर की पहचान करने के साथ उसकी तलाश में जुटी है।

दिल्ली के राजौरी गार्डन में क्रिकेट सट्टा गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस ने मारा छापा, दो आरोपी चढ़े हत्थे

नईदिल्ली, एजेंसी। राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र के सुभाष नगर में पुलिस ने क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपित एक आवासीय मकान की पहली मंजिल से आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवा रहे थे। पुलिस ने मौके से आठ मोबाइल फोन, एक एचपी लैपटाप और नकदी गिनने की मशीन बरामद की है। लैपटाप में सट्टेबाजी से जुड़ा डाटा मिला है।

क्रिकेट मैच पर चल रहा था सट्टा

पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 21 नवंबर को सुभाष नगर पुलिस चौकी में तैनात हेड कांस्टेबल राहुल को सूचना मिली थी कि सुभाष नगर के मकान नंबर 10/67 और 68 की पहली मंजिल पर क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी एसआइ अनुज मोर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मकान पर छापा मारा। वहां दो व्यक्ति क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवाते मिले।

दिल्ली में 47.5 लाख मतदाताओं को दोबारा जोड़ने में बीएलओ के छूट रहे पसीने, किरायेदारों का पता लगाना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची की जांच के दौरान मसौदा सूची से हटाए गए 47.5 लाख लोगों को दोबारा जोड़ने की कोशिश में बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को मुश्किल हो रही है। इनमें बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो पुराना घर छोड़कर दूसरी जगह जा चुके हैं।

खासकर किरायेदारों का नया पता और फोन नंबर नहीं मिल पा रहा है। बीएलओ के सामने 30 नवंबर तक ऐसे मतदाताओं को ढूंढकर फार्म पहुंचाने और भरे हुए फार्म वापस लेने की चुनौती है।

मतदाताओं में ज्यादातर किरायेदार: बाबरपुर की एक अनधिकृत कॉलोनी में तैनात बीएलओ के मुताबिक, उनके मतदान केंद्र की सूची में करीब 300 ऐसे मतदाता हैं, जिनमें ज्यादातर किरायेदार हैं और मकान खाली कर जा चुके हैं। मकान मालिक भी उनके नए पते की जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। कई लोग यह लिखकर देने को तैयार नहीं हैं कि किरायेदार मकान छोड़ चुके हैं। एक अन्य बीएलओ ने बताया कि कई



मतदाताओं के फोन नंबर गलत हैं या बंद आ रहे हैं। कुछ लोग फोन उठाने के बाद भी जानकारी देने में रुचि नहीं दिखाते। बीएलओ को हर पते पर तीन बार जाने के निर्देश हैं, लेकिन मतदाता नहीं मिल रहे, जिससे फार्म बांटना और लक्ष्य पूरा करना मुश्किल है। शाहीन बाग के एक बीएलओ ने बताया कि उनकी सूची में करीब 400 से 500 मतदाता हैं। शुरुआत में सभी से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन कई लोगों ने जवाब नहीं दिया। उन्हें सोमवार को फार्म मिले और मंगलवार से वितरण शुरू करना है।

नए पते का ब्योरा क्यों देना जरूरी?

चुनाव कार्यालय के निर्देशानुसार, दिल्ली में ही दूसरी जगह रहने लगे मतदाताओं को भरा हुआ गणना फार्म और नए पते की जानकारी वाला परिशिष्ट-सी जमा करना होगा। इसमें नया पता और विधानसभा क्षेत्र बताना जरूरी है। दस्तावेज उस विधानसभा क्षेत्र के मतदाता पंजीकरण अधिकारी या सहायक अधिकारी को देने होंगे, जहां मतदाता अब रह रहा है। नए मतदान केंद्र के बीएलओ से भी मदद ली जा सकती है।

घर बैठे कैसे भरें फॉर्म?

चुनाव कार्यालय के मुताबिक, बीएलओ फार्म पहुंचाने के लिए घर जा सकते हैं। फोन नंबर उपलब्ध होने पर वाट्सएप और एसएमएस से भी फार्म भेजे जा सकते हैं। मतदाता चुनाव आयोग की वेबसाइट या ईसीआइनेट एप से भी फार्म डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए पहले वाला मतदाता पहचान पत्र नंबर इस्तेमाल करना होगा। फार्म बांटने और भरे हुए फार्म जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। 10 दिसंबर तक आवेदनों की जांच और निपटारा होगा। दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची 22 दिसंबर को जारी होनी है।

गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर लगेंगे 18 सीसीटीवी कैमरे, आइटीएमएस से जुड़ेगा ट्रैफिक प्रबंधन



पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। यमुनापार से राजघाट, दरियागंज और मध्य दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालकों को गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से फ्लाईओवर पर 18 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों को इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) से जोड़ने की योजना है।

यातायात की स्थिति पर रखी जाएगी नजर

इससे फ्लाईओवर और यमुना पुल के आसपास यातायात की स्थिति पर नजर रखी जा सकेगी और जाम, वाहन खराब होने या सड़क पर अन्य बाधाओं की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। गीता कॉलोनी फ्लाईओवर यमुनापार को राजघाट, आइटीओ, दरियागंज और मध्य दिल्ली के अन्य इलाकों से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। रोजाना बड़ी संख्या में वाहन इस रास्ते से गुजरते हैं। व्यस्त समय में किसी वाहन के खराब होने, दुर्घटना या सड़क पर अन्य बाधा के चलते यहां वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार फ्लाईओवर पर जाम लगने से इसका असर आसपास की सड़कों और संपर्क मार्गों पर भी पड़ता है। ऐसे में कैमरों के जरिए यातायात की निगरानी होने से बाधा की पहचान करने और यातायात पुलिस को मौके पर भेजने में आसानी होगी।

कैमरों से मिलेंगी लाइव तस्वीरें

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार कैमरों से फ्लाईओवर और यमुना पुल के विभिन्न हिस्सों की लाइव तस्वीरें मिल सकेंगी। इससे जाम की स्थिति, वाहनों की आवाजाही और सड़क पर किसी तरह की बाधा का पता समय रहते लगाया जा सकेगा। संबंधित एजेंसियां निगरानी के आधार पर यातायात को नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था करने में सक्षम होंगी। यह व्यवस्था दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर तकनीक आधारित यातायात प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में भी अहम होगी। जाम की स्थिति में वाहनों के लंबे समय तक खड़े रहने से होने वाले प्रदूषण को कम करने और व्यस्त मार्ग पर यातायात सुचारु बनाए रखने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली में निजी जमीन पर पेड़ काटने के नियमों में बदलाव

5 प्रजातियों को मिली छूट; ट्रांजिट परमिट से राहत



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने प्राइवेट जमीन पर लगे 5 तरह के पेड़ों को काटने के नियम आसान कर दिए हैं। अब इन पेड़ों को काटने के लिए पहले से इजाजत नहीं लेनी होगी। इसको लेकर सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी किया है।

जिन 5 प्रजातियों को छूट दी गई है, उनमें पॉपलर, सफेदा (यूकेलिप्टस), सहजन (मोरिंगा), गमारी और मालाबार नीम शामिल हैं। सरकार के मुताबिक, प्राइवेट जमीन पर लगे इन पेड़ों को काटने, हटाने या निपटाने के लिए दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम के तहत इजाजत की जरूरत नहीं होगी। साथ ही इनके बदले में दूसरा पेड़ लगाने का नियम भी लागू नहीं होगा।

क्यों लिया गया फैसला?- सरकार का कहना है कि लोगों को अपनी ही जमीन पर पेड़ काटने की इजाजत लेने में काफी दिक्कत हो रही थी। इस वजह से लोग पेड़ लगाने से भी कतराने लगे थे। गजट नोटिफिकेशन में कहा गया है कि प्राइवेट जमीन पर तेजी से बढ़ने वाली और कमर्शियल प्रजातियों के पौधारोपण को इजाजत की प्रक्रिया की वजह से बढ़ावा नहीं मिल पा रहा था। इसी को देखते हुए दिल्ली वृक्ष संरक्षण (एग्रो-फॉरेस्ट्री और छूट प्राप्त पौधारोपण प्रजातियां) नियम, 2026 लाया गया है। ड्राफ्ट पर जुलाई में जनता से सुझाव मांगे गए थे और 1 अक्टूबर को फाइनल नोटिफिकेशन जारी किया गया।

कहां लागू होगा नियम?

यह नियम सिर्फ दिल्ली की प्राइवेट जमीन पर लागू होगा। जंगल, रिज एरिया, डीम्ड फॉरेस्ट या जहां पेड़ काटने पर किसी कानून या कोर्ट के आदेश से रोक है, वहां यह छूट नहीं मिलेगी। इन प्रजातियों से मिलने वाली लकड़ी को दिल्ली के अंदर या बाहर ले जाने के लिए भी ट्रांजिट परमिट की जरूरत नहीं होगी।

10 से ज्यादा पेड़ काटने पर क्या होगा?

10 तक पेड़ काटने के लिए मालिक को रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और पेड़ों की जियो-टैग फोटो अपलोड करनी होगी। अगर कोई आपत्ति नहीं होगी तो 7 दिन में इजाजत मिल जाएगी। 10 से ज्यादा पेड़ काटने पर ट्री ऑफिसर 14 दिन में मौके पर जांच करेंगे और 3 हफ्ते में इजाजत देंगे। आपत्ति सिर्फ नियम, कानून या कोर्ट के आदेश के उल्लंघन पर ही मानी जाएगी। सरकार का दावा है कि इससे ग्रीन कवर बढ़ेगा, कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ेगी और प्राकृतिक जंगलों पर दबाव कम होगा।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने जताई चिंता

वहीं, ट्री एक्टिविस्ट भव्रीन कंधारी ने इस फैसले पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली साफ हवा के लिए तरस रही है, तब पेड़ काटना आसान करने के बजाय सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि अधिकारी कैसे जांचेंगे कि काटे जा रहे पेड़ वाकई कमर्शियल पौधारोपण के हैं या पुरानी हरियाली को छूट की आड़ में साफ किया जा रहा है।

सोलोमन द्वीप ने चीन को दिखाया ठेंगा; विदेशी सैन्य अड्डे पर लगाई रोक, ऑस्ट्रेलिया से किया नया सुरक्षा समझौता

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्रियों ने बुधवार को एक द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता इन खबरों के बीच हुआ है दक्षिण प्रशांत क्षेत्र का यह छोटा द्वीपीय देश चीन के साथ चार साल पहले हुए अपने गोपनीय रक्षा समझौते को समाप्त कर देगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और सोलोमन द्वीप के उनके समकक्ष मैथ्यू वेल ने एक बयान में कहा कि नयी संधि सोलोमन द्वीप के प्रमुख सुरक्षा साझेदार के रूप में ऑस्ट्रेलिया की भूमिका की पुष्टि करती है। संधि में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऑस्ट्रेलिया से करीब 2,000 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित इस छोटे देश में किसी भी विदेशी सैन्य या सुरक्षा अड्डे की स्थापना नहीं होगी। चीन ने 2022 में सोलोमन द्वीप की तत्कालीन सरकार के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद यह आशंका



पैदा हो गई थी कि चीनी नौसेना दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में अपना सैन्य अड्डा स्थापित कर सकती है। उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया ने अपने प्रशांत क्षेत्र के पड़ोसी देशों के साथ कई द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते किए हैं और यह उसी कड़ी में नवीनतम समझौता है। वेल ने मीडिया की उन खबरों की न तो पुष्टि की और न ही उनका खंडन किया, जिनमें कहा गया है कि उनकी सरकार ने बीजिंग को सूचित कर दिया है कि चीन के साथ सुरक्षा समझौते की पांच साल की अवधि 2027 की शुरुआत में समाप्त होने के बाद उसका नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। इस समझौते के तहत चीन ने सोलोमन द्वीप की राजधानी होनियारा में पुलिस प्रशिक्षक उपलब्ध कराए हैं। ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में अल्बनीज के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में वेल ने कहा, दुर्भाग्य से, चीन के साथ हुई संधि में गोपनीयता संबंधी एक प्रावधान है सलिए मैं इस बारे में बात नहीं कर सकता। चीन के साथ हमारी बातचीत जारी है। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, सोलोमन द्वीप कई वर्षों से इस क्षेत्र में अनिश्चितता और संदेह का कारण रहा है। अब वे दिन बीत चुके हैं। हम दोबारा उस स्थिति में नहीं जाना चाहते। वहीं बीजिंग में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक पत्रकार के उस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया, जिसमें पूछा गया था कि क्या सोलोमन द्वीप ने चीन के साथ सुरक्षा समझौता समाप्त करने की बात कही है। गुओ ने मंगलवार को कहा, चीन सोलोमन द्वीप के साथ संबंध विकसित करने में हमेशा आपसी सम्मान और समानता के सिद्धांत का पालन करता है। उन्होंने कहा, सोलोमन द्वीप समेत प्रशांत क्षेत्र के द्वीपीय देशों के साथ चीन के सहयोग में भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता या गुटीय टकराव का कोई तत्व नहीं है।

न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा जा रहा विमान समंदर में गिरा, दो बच्चों समेत छह लापता; बचाव अभियान जारी

मिसिसिपी, एजेंसी। मिसिसिपी के तट के पास मंगलवार को एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद, बचाव दल छह लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। सेसना 210 नाम का यह विमान मैक्सिको की खाड़ी में, मिसिसिपी के पास्कागौला और हॉर्न आइलैंड के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हॉर्न आइलैंड गल्फ आइलैंड्स नेशनल सीशोर का हिस्सा है। कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता जुआन रॉस ने बताया कि बचाव दल को पानी में तैरती हुई तीन लाइफ जैकेट, एक लाइफ राफ्ट और विमान का केबिन मिला है, लेकिन विमान में सवार चार वयस्क और 8 व 10 साल के दो बच्चे अभी तक नहीं मिले हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, यह सेसना विमान न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स जा रहा था। इस दुर्घटना की जांच करने वाले फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने मंगलवार को बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी है। इस महीने की शुरुआत में, दक्षिण फ्लोरिडा में एक लियरजेट 60 बिजनेस जेट सीधे जमीन से टकरा गया था।

अमेरिका में खसरे का कहरः दो की मौत, इस साल 5838 मामले आए सामने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में खसरे का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। दो राज्यों विस्कॉन्सिन और पेंसिल्वेनिया में खसरे से जुड़ी दो और मौतें दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही दोनों राज्यों में इस साल इस बीमारी से जान गंवाने वालों की संख्या क्रमशः तीन और नौ हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बढ़ते संक्रमण के बीच लोगों से टीकाकरण कराने की अपील की है।

विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य सेवा विभाग ने मंगलवार को बताया कि लाफायेट काउंटी में एक वयस्क की खसरे से जुड़ी दिक्कतों के चलते मौत हुई है। परिवार की निजता का सम्मान करते हुए मृतक के बारे में अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की गई। राज्य में इस साल अब तक खसरे के 920 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें शुक्रवार के बाद से सामने आए 88 नए मामले भी शामिल हैं। 918 मामले अगस्त में शुरू हुए प्रकोप से जुड़े हैं। राज्य में इस साल 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

पेंसिल्वेनिया में कैसे बढ़ा संक्रमण: वहीं, पेंसिल्वेनिया के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को



सेंटर काउंटी के एक ऐसे निवासी की मौत की पुष्टि की, जो खसरे से संक्रमित पाया गया था और जिसका टीकाकरण नहीं हुआ था। विभाग ने मृतक की उम्र या पहचान से जुड़ी अन्य जानकारी नहीं दी। पेंसिल्वेनिया में इस साल अब तक 46 काउंटियों में खसरे के 1,638 मामले दर्ज किए गए हैं। 18 नवंबर के बाद से 49 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में संक्रमण के कारण 330 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इस साल खसरे से हुई नौ मौतें छह अलग-अलग काउंटियों में दर्ज की गई हैं। सेंटर काउंटी में यह पहली मौत है।

संक्रमण रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए: पेंसिल्वेनिया में अप्रैल के अंत में संक्रमण फैलना शुरू होने के बाद से स्वास्थ्यकर्मियों ने 287 अस्थायी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से खसरा, मम्प्स और रूबेला (एमएमआर) के 7,400 से अधिक टीके लगाए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि संक्रमण पर काबू पाने के लिए और टीकाकरण केंद्र खोले जाएंगे।

देशभर में कितने मामले सामने आए: अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, 19 नवंबर तक देश में खसरे के 5,838 पुष्ट मामले दर्ज किए जा चुके थे। यह संख्या 2025 में पूरे साल दर्ज किए गए 2,289 मामलों से कहीं अधिक है। इस साल सामने आए कुल मामलों में करीब 96 प्रतिशत संक्रमण के प्रकोप से जुड़े हैं। हालांकि, सीडीसी के राष्ट्रीय आंकड़ों की गणना की अंतिम तारीख राज्यों की हालिया रिपोर्ट से पहले की है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों के स्वास्थ्य विभाग अपने यहां संक्रमण की सबसे ताजा स्थिति की जानकारी देते हैं।

लक्षण दिखने पर क्या सावधानी बरतें: विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि बुखार और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर सीधे अस्पताल या क्लीनिक जाने के बजाय पहले अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को फोन करें, ताकि दूसरे लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए जरूरी सावधानियां बरती जा सकें। राज्य में अगस्त से अब तक एमएमआर टीके की 55 हजार से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

उत्तर कोरिया में स्विस राजनयिक पर गिरी गाज, 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश

प्योंगयांग , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने स्विट्जरलैंड के राजनयिक को अवांछित व्यक्ति घोषित किया, देश छोड़ने का आदेश दिया सियोल, 25 नवंबर (एपी) उत्तर कोरिया ने बुधवार को प्योंगयांग में हाल में खोले गए स्विट्जरलैंड के राजनयिक कार्यालय के प्रमुख एवं वरिष्ठ राजनयिक को अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया और उन्हें 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। उत्तर कोरिया ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब उसके नेता किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने एक दिन पहले इस कार्यालय को बंद करने की धमकी दी थी। उन्होंने पूर्वी उत्तर कोरिया में युवाओं के एक शिविर पर प्रतिबंध लगाने के लिए स्विट्जरलैंड की निंदा की थी। स्विट्जरलैंड ने यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों से बच्चों को अन्यत्र ले जाने में इस शिविर की कथित भूमिका को लेकर उस पर प्रतिबंध लगाए हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्योंगयांग में पिछले महीने खोले गए स्विस राजनयिक कार्यालय के प्रमुख एस्तिये सिल्वेन को तलब किया और उन्हें एक नोटिस सौंपा। इस नोटिस में वोनसान स्थित सोंगडोवोन अंतरराष्ट्रीय बाल शिविर पर स्विट्जरलैंड द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में राजनयिक कार्यालय बंद करने और सिल्वेन को देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।



संपादकीय | परिसीमन पर मनोवैज्ञानिक राजनीति

संसद का शीतकालीन सत्र दिसम्बर के पहले सप्ताह से शुरू होने की खबर भी सूत्रों के हवाले से मीडिया में आ गई लेकिन मानसून सत्र का सत्रावसान अभी तक नहीं किया गया है। बेशक इसमें असंवैधानिक कुछ भी नहीं, पर यह सामान्य भी नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है कि कार्रवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के 3 महीने बाद भी संसद सत्र का सत्रावसान नहीं हुआ। नीट पेपर लीक मुद्दे पर जंतर-मंतर आंदोलन और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे आदि घटनाक्रम पर हंगामे की भेंट चढ़ गए संसद के मानसून सत्र की कार्रवाई 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी।

सदन में ऐसी ही घोषणा की जाती है, पर कुछ दिन में ही सत्रावसान की खबर भी आ जाती है। लेकिन मानसून सत्र के सत्रावसान की खबर आज तक नहीं आई। हां, बीच-बीच में परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए मानसून सत्र पुनः शुरू करने या विशेष सत्र आहूत करने की खबरें अवश्य सूत्रों के हवाले से आती रहीं। इन खबरों में दावा भी किया जाता रहा कि सरकार ने परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत का जुगाड़ संसद के दोनों सदनों में कर लिया है।

ध्यान रहे कि इसी साल बजट सत्र में 17 अप्रैल को सरकार का परिसीमन विधेयक लोकसभा में 298 के मुकाबले 352 मतों से गिर गया था। असम में सत्ता की हैट्रिक, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी से सत्ता छीन लेने तथा उनकी तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में विभाजन से भाजपा के बुलंद हौसलों के चलते माना जा रहा था कि सरकार मानसून सत्र में ही दो-



तिहाई बहुमत का जुगाड़ कर परिसीमन विधेयक पारित करवाते हुए विपक्ष को पूरी तरह पस्त कर देगी लेकिन नीट पेपर लीक मामले में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और अंततः धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से सारा राजनीतिक परिदृश्य बदल गया।

एस.आई.आर. प्रक्रिया को ले कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से दो अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की असहमति के मीडिया में खुलासे से भी सरकार के लिए असहज स्थितियां बन गईं लेकिन सत्रावसान न होने से विपक्ष पर भी एक मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहा। दरअसल अनिश्चिकाल के लिए स्थगित कार्रवाई वाले मानसून सत्र का विस्तार 2 दिन के शॉर्ट नोटिस पर सदन के अध्यक्ष भी कर सकते हैं, जबकि नया सत्र 14 दिन के नोटिस पर राष्ट्रपति ही बुला सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 85 के मुताबिक संसद के 2 सत्रों के बीच 6 महीने से अधिक का अंतराल नहीं होना चाहिए लेकिन नया सत्र आहूत करने से पहले पिछले सत्र के सत्रावसान की बाध्यता पर कोई स्पष्टता नहीं है।

इससे पहले मानसून सत्र के सत्रावसान में विलंब का रिकॉर्ड 87 दिनों का था, जब जुलाई, 2008 में भारत-अमरीकी परमाणु संधि और उस पर अविश्वास प्रस्ताव के मद्देनजर 2 दिन के लिए सदन की विशेष बैठक आहूत की गई थी। मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में पहली बार उसका कोई विधेयक गिरा था, इसलिए वह आराम से तो नहीं बैठेगी, लेकिन विधेयक पारित कराने के लिए संसद के दोनों ही सदनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए, जो उसके पास नहीं है। बेशक विधेयक का विरोध कर रहे, खासकर दक्षिण भारतीय और क्षेत्रीय दलों को मनाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों में लोकसभा की सीटें 50 प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव भी दिया था, ताकि अनुपात यथावत बना रहे लेकिन वह प्रस्ताव विधेयक का हिस्सा नहीं था।

सिखाने के बजाय हम बच्चों को खुद सीखने का क्यों नहीं देते मौका?

साहिर लुधियानवी के एक फिल्मी गीत के बोल हैं 'बच्चे मन के सच्चे...' लेकिन क्या यह सचमुच सही है? हाल ही में बीबीसी के साप्ताहिक पॉडकास्ट सीबीबीज पैरेंटिंग डाउनलोड में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि दो साल के बच्चे भी झूठ बोल सकते हैं और यह बच्चे के सामान्य विकास का संकेत हो सकता है. ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में तो पाया गया है कि लगभग एक-चौथाई बच्चे दस महीने का होते न होते किसी न किसी तरह से दूसरों के बहकाने की बात समझने लगते हैं. तीन साल का बच्चा रोते हुए अपने माता-पिता से कह सकता है कि भाई या बहन ने उसे मारा, लेकिन वह यह बात छिपा ले जा सकता है कि पहले उसने खुद उन्हें मारा था! या कमरा साफ करने के लिए कहे जाने पर वह बाथरूम जाने का बहाना बना सकता है! तो क्या झूठ बोलना कोई सोच-समझ कर अपनाई गई बुरी आदत नहीं है? प्रकृति में शायद झूठ या सच नाम की कोई चीज नहीं होती. उसमें जिस भी चीज का अस्तित्व है, वह बस है. सच अच्छा है और झूठ बुरा, या प्रकाश अच्छा है और अंधेरा बुरा, यह फर्क हम इंसानों ने बना रखा है क्योंकि हम अपने अनुभव से यह जान चुके होते हैं कि दीर्घकालिक अथवा समग्र दृष्टि से सच हमारे लिए फायदेमंद होता है और झूठ नुकसानदेह. क्या आपने कभी सोचा है कि हम अंधेरे को खराब क्यों समझते हैं?

हमारे उपनिषदों तक में प्रार्थना है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हमें अंधेरे से उजाले की ओर ले चलो. दरअसल आग पर काबू पाना सीखने तक हमारे पूर्वजों के पास कृत्रिम प्रकाश की कोई व्यवस्था नहीं थी. अंधेरे में वे कुछ देख नहीं पाते थे, रात में किसी जानवर द्वारा आक्रमण करने पर उसका मुकाबला नहीं कर पाते थे. इसलिए अंधेरा उन्हें डराता था. आज हमारे पास कृत्रिम प्रकाश के प्रचुर स्रोत उपलब्ध हैं और हम देर रात तक जागने के आदी हो गए हैं. चूंकि लाखों वर्षों तक मनुष्य दिन में काम और रात में विश्राम करने का अभ्यस्त रहा है, इसलिए अब दिन में सोने और रात में जागने पर हमारी सर्केडियन क्लॉक गड़बड़ा जाती है और कई तरह की बीमारियां घेरने लगती हैं. शायद इसीलिए हम आज भी अंधेरे को बुरा मानते हैं और इसका रहस्य नहीं समझ पाने के कारण रात को भी दिन की तरह उजला बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं! जबकि रात का अंधेरा भी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के लिए उतना ही जरूरी है जितना दिन का उजाला. क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि जो पेड़-पौधे हमारे लिए फायदेमंद होते हैं, उनकी तो हमें बहुत जतन से देखभाल करनी पड़ती है, जबकि जंगली झाड़ियां या घास-फूस अपने आप उग आते हैं और इतने ढीठ होते हैं कि बार-बार उखाड़े जाने पर भी जल्दी खत्म नहीं होते! शायद हम मनुष्यों या अन्य जीव-जंतुओं की तरह पेड़-पौधों में भी अपने अस्तित्व को बचाए रखने की प्रबल जिजीविषा होती है. जब हम किसी अनुपयोगी पौधे को बार-बार उखाड़ते हैं तो वे अपने बचे हुए बीजों के डीएनए में यह संदेश डाल देते हैं कि जीवन आसान नहीं है और उन्हें पहले से अधिक मजबूत बनना होगा! अब मान लीजिए अचानक ही हमें पता चले कि जिस पौधे को हम अनुपयोगी समझ रहे थे, वह तो बहुत काम का है! ऐसे में हम उसकी देखभाल करना शुरू कर देंगे और सैकड़ों या हजारों वर्षों बाद वह पौधा भी इतना आरामतलब हो जाएगा कि पहले जैसी विपरीत परिस्थितियों में पनप नहीं पाएगा।

आज का कार्टून



जनता ने नकार दिया भजनलाल शर्मा का नेतृत्व !

राजस्थान की राजनीति में गांवों की चौपाल से उठने वाला संदेश अक्सर सत्ता के गलियारों तक पहुंचते-पहुंचते बड़ा सियासी सवाल बन जाता है। पंचायत चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर सामने आई तस्वीर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व, सरकार की कार्यशैली और प्रदेश भाजपा संगठन के भीतर तालमेल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा ने जिस राजनीतिक उम्मीद के साथ भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी, उस उम्मीद के बाद अब तक हुए चुनावी पड़ावों को लेकर पार्टी के सामने आत्ममंथन की स्थिति बनी हुई है। सवाल केवल पंचायत चुनावों में हार-जीत का नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक दिशा का है जिसके सहारे भाजपा राजस्थान में अपना जनाधार मजबूत रखने की कोशिश कर रही थी।

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है। भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में इन सभी मोर्चों पर समन्वय को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा के लिए राजस्थान में राजनीतिक चुनौती की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से ही हो गई थी। विधानसभा चुनावों में 115 सीटें जीतकर सत्ता में आई भाजपा लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी थी, लेकिन उसे 14 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 11 सीटें हासिल कर भाजपा के उस राजनीतिक दबदबे को चुनौती दी, जिसे पार्टी विधानसभा चुनावों की जीत के बाद अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही थी।

इसके बाद इस साल सितंबर में हुए शहरी निकाय चुनावों की तस्वीर भी भाजपा के लिए पूरी तरह एकतरफा नहीं रही। प्रदेश के 7,475 शहरी वार्डों में भाजपा को 3,054 और कांग्रेस को 2,786 सीटें मिलीं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 1,635 वार्डों में जीत दर्ज की। दस नगर निगमों में भाजपा पांच में आगे रही, कांग्रेस तीन में और एक में निर्दलीय आगे रहे, जबकि जोधपुर में मुकाबला बराबरी का रहा। यानी शहरी निकायों में भी भाजपा को ऐसा निर्विवाद जनसमर्थन नहीं मिला, जिसकी उम्मीद सत्ता में बैठी पार्टी कर सकती थी। अब पंचायत चुनावों ने इस राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट कर दिया है। गांवों में भाजपा को जिस तरह कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों से चुनौती मिली, उसने प्रदेश सरकार के लिए नई राजनीतिक परिस्थिति पैदा कर दी है।

देखा जाये तो राजस्थान के 37 जिलों में आए पंचायत चुनाव परिणाम भाजपा के लिए खासे महत्वपूर्ण हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के नतीजों में कांग्रेस ने भाजपा से कहीं अधिक सीटें हासिल कीं। पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2,213 सीटों पर सिमट गई। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 497 और भारत आदिवासी पार्टी को 278 सीटें मिलीं। जिला परिषद की 1,275 सीटों में भी कांग्रेस ने 794 और भाजपा ने 357 सीटें हासिल कीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस को बहुमत मिला, जबकि भाजपा पांच जिलों में बहुमत हासिल कर सकी। आठ जिलों में निर्दलीय निर्णायक स्थिति में रहे।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा की चुनौती केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं रही। पश्चिमी राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की आरएलपी और आदिवासी क्षेत्रों में बीएपी की मौजूदगी ने यह दिखाया कि ग्रामीण राजनीति में स्थानीय नेतृत्व और क्षेत्रीय मुद्दों की अपनी ताकत है। वैसे भी पंचायत चुनावों में मतदाता केवल जयपुर या दिल्ली के राजनीतिक नारों पर नहीं, बल्कि अपने इलाके के प्रतिनिधियों और स्थानीय समस्याओं पर भी फैसला करते हैं।

साथ ही मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी आरएलपी के उम्मीदवारों की जीत ने इन चुनावों को और राजनीतिक महत्व दे दिया। देखा जाये तो भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राजस्थान में एक नया राजनीतिक प्रयोग किया था। पार्टी ने अनुभवी और स्थापित चेहरों के बजाय पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा को प्रदेश की कमान सौंपी थी। यह फैसला पूरी तरह केंद्रीय नेतृत्व का था और इसके पीछे संगठनात्मक तथा राजनीतिक रणनीति काम कर रही थी। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे बड़ी



चुनौती प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को साधने की थी। राजस्थान में भाजपा की राजनीति लंबे समय से वसुंधरा राजे के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। ऐसे में नए मुख्यमंत्री के लिए पुराने और वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना बेहद जरूरी था।

यहीं से सरकार और संगठन के भीतर समन्वय को लेकर सवाल उठने लगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अप्रैल 2025 में झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। उनका सवाल था कि जब जनता पानी के लिए परेशान है तो अधिकारी अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रहे हैं? यह केवल अधिकारियों के कामकाज पर नाराजगी नहीं थी, बल्कि सरकार के सामने खड़ी स्थानीय समस्याओं की गंभीरता को भी उजागर करता था।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का अपना जनाधार और राजनीतिक प्रभाव रहा है। ऐसे में उनकी सार्वजनिक नाराजगी को महज एक प्रशासनिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटनाक्रम इस सवाल को भी जन्म देता है कि क्या मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और सरकार के बीच ऐसा संवाद स्थापित कर पाए हैं, जिसमें स्थानीय स्तर पर उठने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके।

इसके अलावा, भजनलाल सरकार के शुरुआती कार्यकाल में ही कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा राजनीतिक चर्चा का बड़ा विषय बना था। लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया था। करीब दस महीने तक उन्होंने नियमित मंत्री की तरह कामकाज से दूरी बनाए रखी थी। इस दौरान उनके इस्तीफे की स्थिति, मंत्रिमंडल की बैठकों से उनकी अनुपस्थिति और विभागीय कामकाज को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। अप्रैल 2025 में केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने दोबारा मंत्री के रूप में कामकाज संभाला था। उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था और उन्हें फिर से जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा गया था।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम अपने आप में भाजपा सरकार के भीतर चल रही राजनीतिक असहजता का महत्वपूर्ण उदाहरण था। जिस मंत्रिमंडल को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एकजुट होकर काम करना चाहिए था, वहां एक वरिष्ठ मंत्री का इतने लंबे समय तक अलग-थलग रहना सरकार की कार्यशैली और आंतरिक समन्वय पर सवाल खड़े करता रहा। इसके अलावा जून 2025 में भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी सामने आई। पूर्व विधायकों, सांसदों और चुनाव लड़ चुके नेताओं ने अपनी समस्याएं और क्षेत्रीय कार्यों की अनदेखी को लेकर पार्टी नेतृत्व के सामने शिकायतें रखी थीं।

देखा जाये तो राजस्थान जैसे बड़े राज्य में पार्टी केवल दिल्ली के निर्देशों से नहीं चल सकती। यहां हर क्षेत्र की अपनी राजनीतिक परिस्थितियां हैं, अपने जातीय और सामाजिक समीकरण हैं और अपने प्रभावशाली नेता हैं। यदि प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं को ही अपनी बात रखने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का दरवाजा खटखटाना पड़े तो इसका असर सरकार और संगठन के जमीनी ढांचे पर पड़ना स्वाभाविक है।

साथ ही चुनाव में सत्ता हासिल करने के लिए किए गए वादों का असली इम्तिहान सत्ता में आने के बाद होता है। राजस्थान में आम जनता के सामने आज भी महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े सवाल महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, किसानों की समस्याएं और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना राजनीतिक चर्चा के बड़े विषय बने हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के समय शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी शुरुआती दौर में भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति बनी। लाभार्थियों के बीच यह सवाल रहा कि पुरानी योजनाएं किस रूप में जारी रहेंगी, किन योजनाओं में बदलाव होगा और नई सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी? देखा जाये तो सरकार बदलने के बाद योजनाओं की समीक्षा और पुनर्गठन अपनी जगह है, लेकिन आम आदमी के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उसे मिलने वाली सुविधा बाधित न हो।

साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी भर्तियां और रोजगार के अवसर, अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, ग्रामीण इलाकों में पेयजल की उपलब्धता और किसानों की समस्याओं का समाधान ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन होता है। केवल घोषणाओं और बजट प्रावधानों से जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं। उसका सीधा संबंध जमीन पर मिलने वाली सुविधाओं से है।

संतुलित विकास की सोच से ही बच सकती है दुनिया

देश अभी सूखे के दुष्प्रभाव से निबटने की कोशिश कर ही रहा था कि महज एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी से उठे दो-दो तूफानों ने इसके तटीय इलाकों में कहर बरपा गया। तकनीकी विकास की वजह से तूफानों की पूर्व सूचना के चलते सरकारों ने एहतियाती उपाय कर लिए, इस वजह से बहुत ज्यादा जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन तटीय इलाकों के बुनियादी ढांचे, बिजली व्यवस्था आदि को भारी पैमाने पर नुकसान पहुंचाने में सफल रहा। अर्नब जहां 28-29 अक्टूबर को आया तो दो नवंबर को मुरासू कहर बनकर उभरा।

उमेश चतुर्वेदी

इतिहास में कम ही मौके ऐसे आए होंगे, जब सिर्फ एक हफ्ते के भीतर दो-दो तूफान आए। इन दोनो तूफानों ने ना सिर्फ माली नुकसान पहुंचाया, बल्कि मौसम चक्र को भी बदलकर रख दिया। दोनों के असर से उत्तर भारत तक के मौसम में बदलाव दिखने लगा है। करीब डेढ़ दशक से उत्तर भारत में देर से दस्तक देने वाला ठंड का मौसम कुछ पहले ही आ गया है।

विगत कुछ दशकों से भारत ही नहीं दुनिया के मौसम चक्र में बदलाव दिख रहा है। इसकी वजह से वातावरण का तापमान बढ़ रहा है, बारिश का चक्र या तो कमजोर पड़ रहा है या फिर अचानक ही किसी इलाके में तीव्र हो जा रहा है। इसके चलते जहां वनस्पतियों की जहां कुछ प्रजातियां नष्ट हो रही हैं, वहीं जंतु जगत के कार्यकलाप, आदत और अस्तित्व में परिवर्तन नजर आने लगे हैं। इसका असल फसल चक्र और उनकी पैदावार पर भी पड़ रहा है। अव्वल तो दुनिया को इन बदलावों से चिंतित होना चाहिए, विश्व परेशान भी दिखता है, लेकिन इस बदलाव को थामने की वैश्विक स्तर पर जैसी संजीदा कोशिश होनी चाहिए, नहीं हो रही है।इसे भी पढ़ें: दाल-तेल-दूध-चीनी सब महंगा हो रहा...क्या सच में आर्थिक आपदा की कगार पर भारत? विदेशी धरती से राहुल ने अब फोड़ा कौन सा नया बम! मोटे तौर पर इस बदलाव के पीछे मनुष्य का लालच और समृद्धि हासिल करने की उसकी चाहत काम कर रही है। उन्नीसवीं सदी की औद्योगिक क्रांति के पहले तक पूरी दुनिया में संतुलित उपभोग का सिद्धांत काम करता था। औद्योगीकरण के बढ़ते कदम के साथ इस सोच में कमी आई। लेकिन उदारीकरण के तेज बढ़ते कदमों की वजह से दुनिया में उपभोगवाद को बढ़ावा। जैसे-जैसे उपभोग की संस्कृति बढ़ती गई, उत्पादन की मांग बढ़ती गई। उत्पादन के चलते प्रकृति का दोहन बढ़ा, ऊर्जा की मांग बढ़ी। इस पूरी प्रक्रिया में प्रकृति और सभ्यता के बीच संतुलन गड़बड़ाना शुरू हुआ। जिसका असर जलवायु परिवर्तन के रूप में दिख रहा है। महात्मा गांधी बहुत पहले इस व्यवस्था को लेकर दुनिया को चेता चुके थे। उपभोगवाद को नियंत्रित रखने की कल्पना उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तिका हिंद स्वराज में की है। 1909 में लिखी इस पुस्तिका में गांधी ने लिखा है, 'हम देखते हैं कि मन एक बेचैन पक्षी है; जितना अधिक इसे मिलता है, उतना ही यह चाहता है और असंतुष्ट रहता है। हम जितना अधिक अपने जुनून में लिप्त होते हैं, वे उतने ही बेलगाम होते जाते हैं। इसलिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे भोग-विलास की एक सीमा तय की। उन्होंने देखा कि खुशी काफी हद तक एक मानसिक स्थिति थी। एक आदमी जरूरी नहीं कि इसलिए खुश हो क्योंकि वह अमीर या दुखी है। आखिरकार, वह गरीब है। अमीरों को अक्सर दुखी और गरीबों को खुश देखा जाता है। लाखों लोग हमेशा गरीब रहेंगे। यह सब देखते हुए, हमारे पूर्वजों ने हमें विलासिता और सुख से दूर रखा।'



आज दुनिया ने शहरीकरण और औद्योगीकरण को विकास का पैमाना मान लिया है। दोनों ने ही हमारे जीवन में उपभोगवाद को बढ़ावा दिया है। इसकी वजह से हमारी जलवायु में कई तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका सबसे स्पष्ट संकेत यह है कि दुनिया गर्म हो रही है। वैज्ञानिकों को यह बात उपग्रहों, मौसम संबंधी गुब्बारों, थर्मामीटरों, मौसम केंद्रों और अन्य स्रोतों से जुटाए गए सबूतों से पता चली है। 1880 के बाद से, विश्व के औसत तापमान में लगभग एक डिग्री सेल्सियस यानी करीब 1.7 डिग्री फ़ारेनहाइट की वृद्धि हुई है। अगर शहरीकरण और औद्योगीकरण केंद्रित उपभोगवाद यूं ही जारी रहा तो अनुमान है कि 2050 तक वैश्विक तापमान में लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस यानी करीब 2.7 डिग्री फ़ारेनहाइट और साल 2100 तक 2.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1960 के दशक से वैश्विक औसत वार्षिक तापमान में लगातार वृद्धि हुई है। इसके आंकड़ों के अनुसार, 20वीं सदी के बाद से सबसे गर्म रहे 20 वर्षों में से 19 वर्ष सिर्फ 2001 के बाद के हैं। आशंका है कि भविष्य में आने वाला सबसे ठंडा वर्ष भी, 20वीं सदी के सबसे गर्म वर्ष की तुलना में अधिक गर्म होगा। विस्कॉन्सिन में तापमान और वर्षा में आए बदलावों का पता लगाने के लिए, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन के वैज्ञानिकों ने 'नेशनल क्लाइमेटिक डेटा सेंटर' द्वारा पूरे राज्य के नेटवर्क से जुटाए गए तापमान रिकॉर्ड का विश्लेषण किया है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि 1950 के दशक के बाद से विस्कॉन्सिन का तापमान 2 डिग्री फ़ारेनहाइट बढ़ गया है, साथ ही यहाँ बारिश में 4.5 इंच यानी करीब 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसमें सबसे ज़्यादा तापमान सर्दियों में बढ़ा है, जबकि वर्षा में सबसे अधिक वृद्धि गर्मियों के दौरान हुई है।

स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी के डॉ. चार्ल्स डेविड कीलिंग द्वारा शुरू की गई वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड की दैनिक रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि वातावरण में उपलब्ध कार्बन डाइऑक्साइड में घटत-बढ़त होती रही है। जाहिर है कि इसका असर भी मौसम चक्र पर पड़ रहा है। दरअसल कार्बन डाइऑक्साइड का संबंध प्रकाश संश्लेषण से जुड़ा है। वसंत के मौसम में जब पौधे बढ़ते हैं, तो वे हवा से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके उसे कार्बन में बदल देते हैं, साथ ही ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वहीं, पतझड़ के मौसम में जब पौधे नष्ट होते हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी मात्रा में बढ़त दिखती है। मौसमी बदलावों के अलावा कीलिंग के अध्ययन रिपोर्ट से पता चलता है कि समय के साथ कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है। उनके अध्ययन के अनुसार, 1958 में जहां इसकी उपस्थिति 313 पार्ट्स प्रति मिलियन थी, वहीं 30 मार्च 2020 तक बढ़कर यह 415 प्रति मिलियन हो गई। कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा में हुई इस वृद्धि को 'कीलिंग कर्व' कहा जाता है।

आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी

श्रीलंका बनी चैंपियन, फाइनल में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

अजमान । श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराकर आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। यह टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण था। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की टीम 19.3 ओवर में 96 रन पर सिमट गई। आयरलैंड की तरफ से अलाना डलजेल ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए। इसके अलावा, एमी हंटर ने 10, लुसी लिटिल ने 15 और जॉर्जिना डिंप्सी ने 13 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से सत्या संदीपनी ने



शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 13 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, चेथना, सुगंदीका, निमाशा और कविशा ने 1-1 विकेट लिए। श्रीलंका ने 97 रन का लक्ष्य 12.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 99 रन बनाकर हासिल कर लिया। 44 गेंद शेष रहते मिली 6 विकेट की बड़ी जीत के साथ श्रीलंका टूर्नामेंट की चैंपियन बनी। श्रीलंका की तरफ से इमेशा दुलानी ने 25 गेंदों पर नाबाद 44 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके अलावा, संजना कावेंदी ने 22 गेंदों पर 25 रन बनाए। कविशा दिल्हाड़ी भी 10 गेंदों पर 16 रन बनाकर नाबाद रहीं। कप्तान हर्षिता समरविक्रमा शून्य और विकेटकीपर कौशानी 3 रन बनाकर आउट हुईं। आयरलैंड के लिए किया मैक्कार्थी और कारा मर्रे ने 2-2 विकेट लिए। श्रीलंका की विश्मी गुणारत्ने प्लेयर ऑफ द सीरीज और सत्या संदीपनी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। आईसीसी ने नवंबर 2025 में दुनिया भर में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और उभरती टीमों को उच्च-स्तरीय अनुभव देने के लिए इस टी20 टूर्नामेंट की शुरुआत की थी। थाईलैंड ने नवंबर 2025 में हुए पहले संस्करण का खिताब जीता था। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और मजबूत बनाने के लिए आईसीसी द्वारा शुरू किया गया यह टूर्नामेंट बेहद अहम और रोमांचक है।

मैनचेस्टर सिटी और नेपोली के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग के मुकाबले में नेपोली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। रेयान चेर्की के 86वें मिनट में किए गए गोल से सिटी घर में हार से बच सकी। सिटी इस मैच में दो बार पिछड़ी, लेकिन दोनों बार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इस ड्रॉ से सिटी की हालिया खराब फॉर्म को लेकर चिंता कम नहीं हुई है। टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले सात मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। मेजबान टीम ने अटैकिंग अंदाज में शुरुआत की। इलियट एंडरसन ने शुरुआती



दो मिनट में ही नेपोली के गोलकीपर वांजा मिलिंकोविक-सैविक को परखा। इसके बाद निको ओ'रेली का हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। शुरुआती दबाव के बाद नेपोली ने धीरे-धीरे मैच में पकड़ बनाई। सिटी के पूर्व मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने मेहमान टीम के अटैक को संभाला। हाफटाइम से ठीक पहले सैम बेउकेमा के हेडर को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने शानदार सेव कर बचा लिया। 55वें मिनट में नेपोली ने बढ़त बना ली। रैसमस होजलुंड ने मार्क गुएही को पीछे छोड़ते हुए दमदार लो शॉट से डोनारुम्मा को छकाया। सिटी के कोच ने जेरेमी डोकू को मैदान में उतारा और इसका फौरन फायदा मिला। डोकू के बनाए मौके पर अय्यूब बौआदी ने 66वें मिनट में सिटी के लिए अपना पहला गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: पहले शीर्ष दो स्थानों पर ब्रुक और रूट का कब्जा

गिल-जायसवाल की छलांग

आईसीसी की ताजा टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार सुधार करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने लंबी छलांग लगाकर शीर्ष दस में जगह बनाई है, जबकि ऋषभ पंत भी एक स्थान ऊपर पहुंचे हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। शीर्ष स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और दूसरे नंबर पर जो रूट कायम हैं। नई रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों की बढ़ती मौजूदगी टेस्ट क्रिकेट में उनके प्रदर्शन और निरंतरता को दर्शाती है।



नई दिल्ली । *आईसीसी ने टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग बुधवार को जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पहले, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को एक स्थान का घाटा हुआ है। हेड चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक स्थान की छलांग के साथ छठे और भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीन स्थान की छलांग के साथ सातवें स्थान पर हैं।*

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह आठवें स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 5 स्थान की छलांग के साथ नौवें और अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह 2 स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन 10 स्थान की छलांग के साथ 16वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

शीर्ष 10 गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहले स्थान पर, भारत के जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे, इंग्लैंड के ओली रॉबिनसन दो स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को दो-दो स्थान का नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा दो स्थान की छलांग लगाते हुए छठे, दक्षिण अफ्रीका के सिमरोन हार्मर सातवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दो स्थान के नुकसान के साथ आठवें, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस नौवें और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर हैं।



'डफी एक 'क्लासी बॉलर', हम उन्हें लेकर चिंतित नहीं': मैट हेनरी



नई दिल्ली । भारत के साथ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी पूरी तरह प्रभावहीन रहे थे। डफी ने 33 ओवर में 201 रन लुटाकर महज 1 विकेट लिया था। इस प्रदर्शन के बाद आलोचना का शिकार हुए डफी को टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का समर्थन मिला है। मैट हेनरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैकब डफी एक 'क्लासी बॉलर' हैं। उन्होंने इतने सालों में दिखाया है कि वह पूरी तरह से टीम के बारे में सोचते हैं। जब हम सुझाव देते हैं कि शायद हम यहां एक प्लान बनाएं, तो वह अपने निजी आंकड़ों के बारे में चिंतित नहीं होते।' हेनरी ने कहा, 'डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए, ऐसे पल थे जब हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो एक अलग प्लान आजमा सके, और वह ऐसा करने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि शायद यही टीम की क्वालिटी है। यह नतीजे की चिंता नहीं है, बल्कि यह है कि आप गेम पर कैसे असर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में यह दिखा है, उसके ऐसे माइंडसेट की वजह से उसके असर मैच जिताने वाले रहे हैं। इसलिए हम उसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं।'

उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व पर गेंद बहुत कम स्लिप तक जा पाती थी। इस वजह से डफी को आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर फेंकने के लिए कहा गया था और उन्होंने यही किया।

बीसीसीआई ने दी जानकारी

आईपीएल 2027 की नीलामी के लिए 1,220 खिलाड़ियों के नाम दर्ज

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया है कि आईपीएल 2027 के लिए होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी के लिए ऑक्शन रजिस्टर में कुल 1,220 खिलाड़ियों के नाम दर्ज हैं। इसमें 939 भारतीय खिलाड़ी हैं, जबकि 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ी 17 अलग-अलग देशों से संबंध रखते हैं। आईपीएल 2027 के लिए होने वाली नीलामी से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने 184 खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है या चुन लिया है। नीलामी में ज्यादा से ज्यादा 66 स्लॉट्स भरे जा सकते हैं, जिनमें 25 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। रजिस्टर में 184 कैप्ड प्लेयर्स, 994 अनकैप्ड प्लेयर्स और एसोसिएट नेशंस के 42 प्लेयर्स शामिल हैं। अनकैप्ड प्लेयर्स में 925 इंडियन हैं, जिनमें 127 ऐसे हैं जो पिछले आईपीएल सीजन में खेल चुके हैं। ओवरसीज रजिस्ट्रेशन में ऑस्ट्रेलिया 53 खिलाड़ियों के साथ सबसे आगे है। उसके बाद साउथ अफ्रीका (40), वेस्टइंडीज (36), न्यूजीलैंड (25) और अफगानिस्तान (23) हैं।



इस लिस्ट में एसोसिएट नेशंस के खिलाड़ी भी हैं, जिसमें यूएसए ने 13 रजिस्ट्रेशन किए हैं। उसके बाद यूएई और नेपाल ने 10-10 रजिस्ट्रेशन किए हैं। फ्रेंचाइजी अब ऑक्शन रजिस्टर से उन खिलाड़ियों के नाम सबमिट करेंगी, जिन्हें वे फाइनल प्लेयर पूल में शामिल करना चाहते हैं। फाइनल ऑक्शन लिस्ट, प्लेयर सेट के साथ, 4 दिसंबर को जारी की जाएगी।

आईपीएल 2027 के लिए नीलामी 16 दिसंबर 2026 को सुबह 11 बजे से गोवा में होगी। अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तिथि 17 नवंबर थी। रिटेंशन से पहले कुछ बड़े ट्रेड देखने को मिले। 2024 से 2026 तक मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने वाले हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। वहीं, 2019 से पंजाब किंग्स का हिस्सा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब मुंबई इंडियंस से जुड़ चुके हैं।

हर्षल पटेल अब सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की जगह गुजरात टाइटंस का हिस्सा होंगे, जबकि टी. नटराजन डीसी की जगह एसआरएच में पहुंच गए हैं। मोहम्मद शमी एलएसजी से राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और सैम करन आरआर से एलएसजी में पहुंच चुके हैं। इससे पहले ट्रेड के माध्यम से ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कुलदीप यादव डीसी से एलएसजी में जा चुके हैं।

शिअद-भाजपा सरकार बनी तो पंजाब फिर होगा खुशहाल और नशामुक्त



मुंबई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह ने दावा किया है कि अगर पंजाब में शिअद-भाजपा की गठबंधन वाली सरकार बनी तो प्रदेश फिर से खुशहाल बनेगा, नशे से मुक्त होगा। हरभजन सिंह ने कहा कि मैं अपनी ओर से पंजाब के सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। दोनों दलों के बीच यह एक बहुत ही सकारात्मक दिशा में उठाया गया कदम है। पंजाब को बेहतर शासन की जरूरत है, एक ऐसी सरकार की जो वास्तव में राज्य की देखभाल कर सके। वर्तमान की सरकार में कई वर्षों से पंजाब से किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। मेरा हमेशा से यह मानना रहा है और मैंने कई बार कहा भी है कि जब केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर एक ही पार्टी की सरकार होती है तो विकास के काम कहीं ज्यादा बेहतर तरीके से हो सकते हैं।

सुपर 90: 3 दिसंबर से शुरू होगा चौथा सीजन

गेल, हेल्स, रॉय, हसन जैसे स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नैरोबी । पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिस गेल, शाकिब अल हसन, जेसन रॉय, एलेक्स हेल्स, तिलकरत्ने दिलशान, शॉन मार्श, फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट 3 दिसंबर को केन्या के नैरोबी में शुरू होने वाले सुपर 90 सीजन 4 में मुख्य आकर्षण होंगे। टूर्नामेंट के चौथे एडिशन में कई जाने-माने इंटरनेशनल क्रिकेटरों वाली सात फ्रेंचाइजी एक साथ आएंगी, जिससे 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। इस कॉम्पिटिशन में 22 मैच होंगे। फाइनल 14 दिसंबर को होगा। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल पंजाब टाइटन्स के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन लंदन जायंट्स के लिए खेलेंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय और एलेक्स हेल्स क्रमशः मेरू थंडर्स और नैरोबी लायंस की तरफ से खेलेंगे।

श्रीलंका के पूर्व कप्तान तिलकरत्ने दिलशान भी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर शॉन मार्श के साथ टूर्नामेंट में अपना अनुभव लेकर आएंगे। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट इंटरनेशनल लाइनअप को और मजबूत करेंगे।

टूर्नामेंट में कई और जाने-माने इंटरनेशनल नाम भी होंगे, जिनमें एविन लुईस, क्रिस लिन, इमाद वसीम, महमूदुल्लाह, वेन पार्नेल, रवि बोपारा, अंबाती रायुडू, मिशेल जॉनसन और समित पटेल शामिल हैं, जो हिस्सा लेने वाली टीमों में और गहराई और अनुभव जोड़ेंगे।

शुरुआती मैच में पंजाब टाइटन्स का मुकाबला 3 दिसंबर को नैरोबी जिमखाना क्रिकेट क्लब में दिल्ली



रॉयल्स से होगा। नैरोबी लायंस का मुकाबला 4 दिसंबर को लंदन जायंट्स से होगा, जबकि दिल्ली रॉयल्स उसी दिन बाद में हरियाणा वॉरियर्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी।

लंदन जायंट्स का मुकाबला 5 दिसंबर को एल्डोरेट टाइगर्स से होगा, जबकि मेरू थंडर्स उसी दिन पंजाब टाइटन्स के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगी।

वैभव सूर्यवंशी ने उड़ाया गर्दा, लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी



लिस्ट-ए क्रिकेट में जड़ा सबसे तेज 'दोहरा शतक'

नई दिल्ली । *15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 'दोहरे शतक' की मदद से भारत-ए ने मंगलवार को यूएई के खिलाफ 7 विकेट से दमदार जीत दर्ज की। इस दौरान वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक, सबसे तेज 150 रन और सबसे तेज दोहरे शतक के साथ सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने हरप्रीत सिंह भाटिया (130) की शतकीय पारी की मदद से 8 विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। इस पारी में अरशद खान ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। इसके बाद वैभव ने तूफानी पारी खेलकर भारतीय टीम को महज 14.2 ओवरों में जीत दिला दी। यूएई के खिलाफ महज 28 गेंदों में शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में वैभव ने 53 गेंदों में 7 चौकों और 28 छक्कों के साथ 204 रन कूटे। इसी के साथ वैभव ने साउथ अफ्रीका के जेक फ्रेजर-मैकगर्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2023 में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक पूरा किया था। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 31 गेंदों में यह कारनामा किया था। बिहार की तरफ से खेलते हुए सकीबुल गनी ने साल 2025 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों में शतक पूरा किया था।*



वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रचने से पहले की थी युवराज सिंह से बात, कहा- उनकी सलाह से मदद मिली

नई दिल्ली । एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के दौरान मंगलवार को इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐतिहासिक पारी खेली। यूएई ए के खिलाफ वैभव ने मात्र 53 गेंदों पर 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 204 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव ने 28 गेंदों पर शतक और 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया। वैभव द्वारा लगाया गया लिस्ट ए इतिहास का यह सबसे तेज शतक और दोहरा शतक है। वैभव ने इस ऐतिहासिक पारी को खेलने के बाद बीसीसीआई टीवी से बात करते हुए कहा कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से हुई आधे घंटे की बातचीत ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने कल सिर्फ चार लोगों से बात की। इसमें मेरे पिता, मेरे बचपन के कोच मनीष ओझा, मेरे अंडर-19 के दोस्त प्रथम जाचक और युवराज सिंह थे। युवराज सिंह से मैंने लगभग आधे घंटे तक बात की। उन्होंने मुझे मेरी बैटिंग के बारे में काफी कुछ समझाया। मैं काफी परेशान था।' उन्होंने कहा, 'मैं जब बैटिंग करने जाता था, तो मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं, उनके बारे में मैंने उनसे खुलकर बात की। उन्होंने मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से समझाया। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 20 बॉल खेलता, तो स्कोर अलग होता। उन्होंने मुझे कुछ तकनीकी बातें भी समझाईं, जिससे मुझे बहुत मदद मिली।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670